शर्मा হার্ডওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 209 | गुवाहाटी | मंगलवार, 27 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

डाक्टरों का प्राथमिक उद्देश्य स्वयं से पहले सेवा होना चाहिए : राष्ट्रपति — पेज 2
गलत चिकित्सा पद्धतियों के रोकथाम से संबद्ध विधेयक विस में पारित — पेज 3
पंजाब के किसानों के समर्थन में कैथल के किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च — पेज 5
राष्ट्रीय बेसबाल के पुरुष वर्ग में बिहार विजेता, महिला में ओडिशा ने जीता खिताब — पेज 7

पिछले दरवाजे से नहीं, सामने से लाएंगे यूसीसी : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार पिछले दरवाजे से नहीं, बल्कि *सामने के दरवाजे* से समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लाएगी। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा आज असम विधानसभा के चालू बजट सत्र में सरकार पर लगाए जा रहे इस आरोप का जवाब दे रहे थे कि सरकार परोक्ष रूप से यूसीसी लाना चाह रही है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि परोक्ष रूप से नहीं बल्कि सामने से यूसीसी को लाएंगे। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता उत्तराखंड में लागू है। समान नागरिक संहिता चार बिंदुओं से संबंधित है- नाबालिग शादियों को रोकना, बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाना, उत्तराधिकार कानून और लिव-इन संबंधों का पंजीकरण। समान नागरिक संहिता पारंपरिक रीति-रिवाजों या प्रथाओं से संबंधित नहीं है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड विधानसभा में बीते सात फरवरी को यूसीसी से संबद्ध विधेयक पारित किया था। जिसमें, अनुसूचित जनजाति को छोड़कर सभी समुदायों के लिए विवाह, तलाक, विरासत और लिव-इन रिलेशनशिप पर समान नियम लागू करने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉक्टर शर्मा पहले ही इसकी घोषणा कर चुके हैं कि असम में भी उच्च कानून लाया जाएगा। ऐसी चर्चा थी कि विधानसभा के चालू बजट सत्र के दौरान सरकार यूसीसी लाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। हालांकि मुख्यमंत्री यह घोषणा पहले कर चुके हैं कि असम -शेष पृष्ठ दो पर

जब तक मैं जिंदा हूं, बाल विवाह नहीं होने दूंगा : विस में गरजे सीएम

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस पर हमला किया और कहा कि जब तक वह जीवित हैं, वह राज्य में बाल विवाह नहीं होने देंगे। उन्होंने असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को निरस्त करने का भी वादा किया। असम के सीएम ने 2026 से पहले राज्य में बाल विवाह को खत्म करने का भी वादा किया। उन्होंने कहा कि मैं आपको राजनीतिक रूप से चुनौती देना चाहता हूं, मैं 2026 से पहले इस दुकान को बंद कर दूंगा। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के लोग सुन लें, जब तक मैं, हिमंत विश्व शर्मा जिंदा हूं, तब तक असम में छोटी बच्चियों का विवाह नहीं होने दूंगा। आप लोगों ने मुस्लिम समुदाय की बेटियों को बर्बाद करने की जो दुकान खोली है उन्हें पूरी तरह से बंद किए बिना हम चैन से नहीं बैठेंगे। राज्य कैबिनेट ने शुक्रवार रात को बाल विवाह के सामाजिक खतरे को समाप्त करने के लिए अधिनियम को निरस्त करने के निर्णय को मंजूरी दे दी क्योंकि इसमें विवाह के पंजीकरण की अनुमति देने वाले प्रावधान शामिल थे, भले ही दूल्हा और दुल्हन क्रमश: 18 और 21 वर्ष की कानूनी उम्र तक नहीं पहुंचे हों। -शेष पृष्ठ दो पर

नहीं रहे गजल गायक पंकज उधास

मुंबई (हि.स.)। अपनी जादुई आवाज से फैंस का दिल जीतने वाले गायक पंकज उधास का निधन हो गया है। वे 72 साल के थे। यह जानकारी उनके बेटी ने दी है। उन्होंने मुंबई के ब्रीचकैंडी अस्पताल में आखिरी सांस ली। पंकज उधास के निधन से संगीत जगत में शोक छा गया है। फिल्म नाम में *चिठ्ठी आई है...* गाना से पंकज उदास चर्चा में आए थे। *चांदी जैसा रंग हो तेरा सोने जैसा बाल...* गजल गाने वाले पंकज उधास की आवाज हमेशा के लिए शांत हो गई है। पंकज की बेटी नायब उधास ने अपनी एक पोस्ट में लिखा कि हमें आपको यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि पद्मश्री पंकज उधास का निधन हो गया है। पिछले दस दिन से उनका इलाज चल रहा था। पंकज उधास का अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा। पंकज उधास ने छह साल की उम्र में संगीत की दुनिया में अपना करियर शुरू किया था। गायन का संस्कार उन्हें अपने घर से ही मिला था।

पीएम ने रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का किया शिलान्यास

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 41,000 करोड़ रुपए से अधिक की लगभग 2,000 रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कुछ परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित भी किया। मोदी ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से *प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना* के तहत 553 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया। 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित इन स्टेशनों -शेष पृष्ठ दो पर

हम ऐसे समाज की रचना करना चाहते हैं जहां सरकार का दखल कम हो : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली स्थित भारत मंडपम में भारत टेक्स-2024 का उद्घाटन किया। यह देश में आयोजित होने वाले अब तक के सबसे बड़े वैश्विक कपड़ा कार्यक्रमों में से एक है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और दर्शना जरदोश भी शामिल हुई। भारत टेक्स-2024 का आयोजन 26 फरवरी से 29 फरवरी 2024 तक किया जाएगा। बता दें कि प्रधानमंत्री के 5एफ विजन से प्रेरणा लेते हुए, इस कार्यक्रम में फाइबर, फैब्रिक और फैशन के जरिए खेत से लेकर विदेश पर एकीकृत रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है। जो संपूर्ण वस्त्र मूल्य श्रृंखला को कवर करता है। उद्घाटन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का कार्यक्रम अपने आप में बहुत खास है, खासकर इसलिए क्योंकि यह भारत के दो सबसे बड़े प्रदर्शनी केंद्रों, भारत मंडपम और यशोभूमि में एक साथ आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम कपड़ा मूल्य श्रृंखला के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दूध के लिए हथिनी पालने की जरुरत नहीं होती अर्थात आवश्यकता के अनुसार साधन जुटाने चाहिए।

\- **आचार्य चाणक्य**

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका

व्यासजी तहखाने में जारी रहेगी पूजा

प्रयागराज। ज्ञानवापी मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। हाईकोर्ट कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी। मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज होने से व्यास जी तहखाने में पूजा अर्चना जारी रहेगी। इससे पहले वाराणसी जिला अदालत ने भी इस मामले में हिंदुओं के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसके खिलाफ ही मुस्लिम पक्ष इलाहाबाद हाई कोर्ट पहुंचा था। हालांकि, यहां से भी मुस्लिम पक्ष को निराशा ही हाथ लगी और इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में हिंदुओं की पूजा का अधिकार सुरक्षित रखा। दरअसल, मुस्लिम पक्ष ने तहखाने में काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट को -शेष पृष्ठ दो पर

पांच राज्यों में शुरू होगा एनीमिया मुक्त भारत मिशन

आयुष मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली (हि.स.)। आयुष और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से किशोरियों में पोषण सुधार के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। यह मिशन उत्कर्ष के तहत पांच राज्यों के पांच जिलों में आयुर्वेद का उपयोग करने वाली किशोरियों के बीच एनीमिया नियंत्रण के लिए एक संयुक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल है। सोमवार को विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि दोनों मंत्रालयों को *एनीमिया मुक्त भारत* बनाने के लिए अपने हाथों में कमान लेनी होगी। दोनों मंत्रालयों के बीच इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समझौता किया गया है। आज का दिन मानव जाति के कल्याण के लिए समर्पित है। आयुष मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने लगभग 94 प्रतिशत पोषण सुधार के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना पांच जिलों के लगभग 10,000 आंगनबाड़ी केंद्रों को कवर करेगी। पांच जिलों में जिला प्रशासनिक अधिकारी, सीडीपीओ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को इस कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने की सुविधा देनी है। इस अवसर पर केंद्रीय महिला -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

मनोज जारांगे ने खत्म की भूख हड़ताल

मुंबई (हि.स.)। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के विरोध में बयानबाजी करने के बाद सख्त हुई पुलिस ने सोमवार को मराठा नेता मनोज जारांगे पाटिल के विरुद्ध सात नए मामले दर्ज किए हैं। इसी बीच मनोज जारांगे पाटिल ने आज पिछले कई दिनों से चल रही अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल -शेष पृष्ठ दो पर

विदेश मंत्रालय की बात का हुआ असर

रूसी सेना से लौटने लगे ठेके पर नियुक्त भारतीय

नई दिल्ली। रूसी सेना में सहायक के तौर पर भर्ती भारतीयों को अब छोड़ा जाने लगा है। विदेश मंत्रालय ने बताया है कि भारत ने इस बारे में रूस के अधिकारियों से बात की और ठेके पर रखे गए भारतीयों को छोड़ने की मांग रखी थी। इस मांग के बाद कई भारतीय वहां से लौट चुके हैं। यह भी बताया गया है कि विदेश मंत्रालय इसे प्राथमिकता के तौर पर ले रहा है और इस बारे में लगातार रूस के अधिकारियों से बात की जा रही है। इस बारे में जो भी मामले अधिकारियों के सामने -शेष पृष्ठ दो पर

संदेशखाली : अब सरदार के घर में घुसीं महिलाएं, तोड़फोड़ की

संदेशखाली। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित संदेशखाली गांव इन दिनों चर्चा में है। गांव की महिलाओं ने आरोप लगाया है कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख ने उनकी जमीन पर कब्जा करने के साथ-साथ कुछ महिलाओं के साथ यौन शोषण भी किया है। बंगाल की पूरी सियासत अभी संदेशखाली के ईर्दगिर्द भटक रही है। संदेशखाली सियासी जंग का मैदान बना हुआ है। ग्रामीणों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। वह शाहजहां शेख के करीबी नेताओं अजीत मैती और शंकर सरदार पर भी अपना क्रोध निकाल रहे हैं। एक तरफ जहां मैती पुलिस कैद में हैं वहीं अब सरदार के घर पर ग्रामीणों ने तोड़फोड़ कर दी है। उत्तर 24 परगना के संदेशखली के पोलपारा गांव के -शेष पृष्ठ दो पर

इतिहास : मरयम बनीं पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पीएमएल-एन के अध्यक्ष की बेटी ने देश में इतिहास बदलते हुए पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री का सम्मान हासिल कर लिया है। वरिष्ठ पीएमएल-एन नेता मरियम नवाज को पंजाब की मुख्यमंत्री बनाया गया है मरियम तीन बार पूर्व प्रधानमंत्री रह चुके व पीएमएल-एन के अध्यक्ष नवाज शरीफ की बेटी हैं। 50 वर्षीय उपाध्यक्ष मरियम ने पीएमएल-एन नेता ने पीटीआई समर्थित एसआईसी के राणा आफताब को हराकर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पंजाब प्रांत का मुख्यमंत्री चुनाव जीता। बता दें कि पंजाब प्रांत में 120 मिलियन लोग रहते हैं। मरियम ने पंजाब विधानसभा में जाने से पहले जती उमरा में अपनी मां की कब्र का दौरा किया। सोशल -शेष पृष्ठ दो पर

वॉटर स्ट्राइक : भारत का पानी अब नहीं जाएगा पाकिस्तान

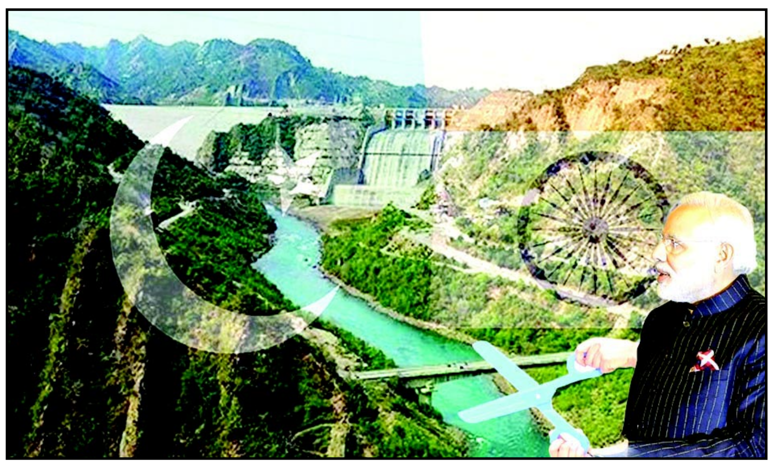

नई दिल्ली। न रोटी न पानी पाकिस्तान की यही कहानी। ये लाइन पड़ोसी मुल्क के ऊपर एक दम मुफीद बैठती है। भारत की रावी नदी पर बांध बनकर तैयार हो गया है। इसके साथ ही पाकिस्तान को मिलने वाला रावी नदी का पानी रुक गया है। इस बात से जिन्ना के मुल्क में बड़ी हाय-तौबा मची है। अगर पानी नहीं मिलेगा तो पाकिस्तान में जल युद्ध शुरू होते देर नहीं लगेगी। जम्मू कश्मीर पंजाब के बॉर्डर पर शाहपुर बांध बनकर तैयार हो चुका है। जिसके जरिए रावी नदी का पानी पूरी तरह पाकिस्तान जाने से रोक दिया गया है। रावी नदी हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रे से निकलती है। यहां से जम्मू कश्मीर और पंजाब होते हुए पाकिस्तान की तरफ बहती है। फिर मुल्तान से पहले चिनाब में मिल जाती है। लेकिन अब इसका पानी शाहपुर कंडी बांध से आगे नहीं बढ़ेगा। शाहपुरकंडी बांध लंबे समय से अटका हुआ है। इस बांध को बनाने का विचार क्रमश: पंजाब और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों प्रकाश सिंह बादल और शेख अब्दुल्ला के बीच 1979 में हुए समझौते से लिया जा सकता है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों राज्यों की सीमा पर रावी पर रंजीत सागर (थीन) बांध बनाने का विचार था। और पानी के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए, पंजाब के गुरदासपुर जिले के शाहपुर कंडी में कुछ दूरी पर एक दूसरा बांध बनाया जाना था। पूर्व प्रधान मंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

चीनी कंपनी ने भारत के खुफिया दस्तावेज किए हैक, पीएमओ और रिलायंस भी थे टारगेट

बीजिंग। चीन की एक साइबर सिक्योरिटी कंपनी का डेटा ऑनलाइन लीक होने से हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीनी साइबर सिक्योरिटी कंपनी के डेटा से पता चला है कि चीन के इस हैकर ग्रुप ने भारत सरकार के महत्वपूर्ण विभागों के खुफिया दस्तावेज हैक कर लिए हैं। इनमें प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज और एयर इंडिया जैसी कंपनियां भी शामिल हैं। लीक हुए डेटा की समीक्षा की है। चीन सरकार से जुड़े हुए हैकिंग ग्रुप आई सून ने हाल ही में हजारों दस्तावेज, तस्वीरें और चैट मैसेज गिटहब पर पोस्ट किए। आई सून नाम की निजी कंपनी के इन दस्तावेजों से कई सनसनीखेज जानकारियां सामने आईं। इन दस्तावेजों के अनुसार इस कंपनी ने न सिर्फ चीनी लोगों की बल्कि कई देशों जैसे भारत, नाइजीरिया, इंडोनेशिया और ब्रिटेन की सरकारों के नेटवर्क में भी सेंध लगाया। लीक डेटा से पता चला -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

डाक्टरों का प्राथमिक उद्देश्य स्वयं से पहले सेवा होना चाहिए : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को नई दिल्ली में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी) के 107वें वार्षिक दिवस और दीक्षांत समारोह में भाग लिया। इस मौके पर राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि आज चिकित्सा विज्ञान सिर्फ इलाज तक ही सीमित नहीं है। इसका दायरा बहुत व्यापक हो गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि गांधी जी ने भी चरित्र के बिना ज्ञान और मानवता के बिना विज्ञान को पाप बताया है। इसलिए डाक्टरों का प्राथमिक उद्देश्य पैसा कमाना नहीं बल्कि *स्वयं से पहले सेवा* होना चाहिए। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि चौथी औद्योगिक क्रांति के कारण भौतिक, डिजिटल और जैविक क्षेत्रों के बीच का अंतर कम हो रहा है। सिंथेटिक बायोलॉजी में हो रहे नए प्रयोग और क्लस्टर्ड रेगुलर इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंड्रोमिक रिपीट (सीआरआईएसपीआर)

जीन एडिटिंग जैसी नई तकनीकें सदियों से चली आ रही समस्याओं का समाधान ढूंढने में मददगार साबित हो रही हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि चिकित्सा बिरादरी अपने पेशेवर जीवन में नैतिकता और उच्च मूल्यों के अनुसार काम करेगी और *वन हेल्थ* के एकीकृत दृष्टिकोण के साथ सभी समस्याओं को हल करने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि लोग डॉक्टरों को भगवान मानते हैं, ऐसे में डॉक्टरों को इस नैतिक जिम्मेदारी को समझना चाहिए और उसके अनुरूप व्यवहार करना चाहिए। एलएचएमसी को अंग प्रत्यारोपण पुनर्प्राप्ति केंद्र के रूप में पंजीकृत किया गया है। रोगाणुरोधी प्रतिरोध की समस्या को हल करने के लिए व्यापक एंटीबायोटिक प्रबंधन कार्यक्रम शुरू किया गया है और अन्य संस्थानों के सहयोग से आईड्रोन पहल के तहत ब्लड बैग डिलीवरी पर भी काम कर रही है। नॉर्वे सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय मानव दूध बैंक और स्तनपान परामर्श केंद्र *वात्सल्य - मातृ अमृत कोष* की स्थापना की गई है। इस मौके पर राष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि यह केंद्र स्तनपान के बारे में जागरूकता पैदा करने और शिशु मृत्यु दर को कम करने में मददगार साबित होगा।

मणिपुर में 9 एकड़ अफीम की खेती नष्ट

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में मणिपुर पुलिस तथा असम राइफल्स के एक संयुक्त अभियान में 9 एकड़ अफीम की खेती नष्ट की गई। सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम ने टेंग्नौपाल थाना से लगभग 15 किमी उत्तर पूर्व में खुदेई खुल्लन गांव की पहाड़ी श्रृंखला में लगभग नौ एकड़ पोस्ते की खेती को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई एसडीएम, टीपीएल की मौजूदगी में की गई। इस खेती के विरुद्ध एफआईआर नंबर 3(2) 2024 टीपीएल पीएस यू/एस 18(बी)एनडी एंड पीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। इस आशय की जानकारी मीडिया को आज देते हुए मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस सराहनीय कार्य के लिए एसके जॉन लामकांग, एमपीएस, डीएसपी (मुख्यालय) टीपीएल, तीसरी असम राइफल्स और वन विभाग, टेंग्नौपाल के नेतृत्व में टेंग्नौपाल जिला पुलिस की टीम की सराहना की।

भारतवंशी प्रोफेसर को टेक्सास में सर्वोच्च शैक्षणिक सम्मान

टेक्सास (हि.स.)। टेक्सास एकेडमी ऑफ मेडिसिन, इंजीनियरिंग, साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने भारतवंशी कंप्यूटर इंजीनियर प्रो. अशोक वीरराघवन को इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए एडिथ और *पीटर ओ डॉनेल* पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह टेक्सास में शोधकर्ताओं के लिए सर्वोच्च शैक्षणिक पुरस्कारों में से एक है। प्रो. वीरराघवन राइस यूनिवर्सिटी के जॉर्ज आर. ब्राउन स्कूल ऑफ

इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग हैं। राइस यूनिवर्सिटी के मुखपत्र द *राइस थ्रेसर* ने यह जानकारी दी। द राइस थ्रेसर ने कहा कि प्रो. वीरराघवन को *क्रांतिकारी इमेजिंग तकनीक* के लिए 2024 एडिथ और पीटर ओ डॉनेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। भारतीय-अमेरिकी डॉ. वीरराघवन बी-टेक हैं। 2002 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर और 2008 में मैरीलैंड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क में इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग से पीएचडी की है। अशोक 2010 में ईसीई विभाग में शामिल हुए। उन्हें 2017 में एसोसिएट प्रोफेसर और 2020 में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया। राइस विश्वविद्यालय के मुखपत्र द राइस थ्रेसर के अनुसार, वीरराघवन फ्लैटकैम के सह-डेवलपर हैं।

मणिपुर पुलिस ने 281 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 281 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 141 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

कैमूर जिले में सड़क हादसे में हुए नौ मृतकों की हुई शिनाख्त

पटना (हिंस)। बिहार के कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र के एनएच 2 स्थित देवकली के समीप सड़क रविवार की रात दुर्घटना में 9 लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने हादसे के शिकार हुए सभी 9 लोगों की शिनाख्त कर ली है। घटना पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरा दुख जताया है। सासाराम से वाराणसी की तरफ जा रहा स्कॉर्पियो मोहनिया एनएच दो के पास देवकली गांव के समीप पहुंचते ही एक बाइक सवार से उसकी टक्कर हो गई। इसके बाद स्कॉर्पियों अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी तरफ चला गया, जहां सामने से आ रही कंटेनर से भी उसकी जबरजस्त टक्कर हो गई,जिसमें सवार स्कॉर्पियो सहित बाइक चालक मिलाकर कुल 9 लोगों की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद एनएच 2 पर गाड़ियों का लंबा जाम लग गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल में भेज दिया है। मोहनिया एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया कि स्कॉर्पियो सासाराम की तरफ से आ रही थी जो की मोहनिया से होते हुए उत्तर प्रदेश की तरफ जा रही थी। तभी स्कॉर्पियो बाइक सवार को बचाने के चक्कर में बाइक को टक्कर मारते हुए डिवाइड के उस पार चली गई और जहां उधर से आ रहे कंटेनर में दोनो का जोरदार टक्कर हो गया।

भाजपा में कई बड़े नेता एवं विधायक होंगे शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस के कई नेता और विधायक भाजपा में शामिल होंगे। कई शीर्ष नेताओं ने असम भाजपा से संपर्क किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने मीडिया से बात करते हुए उपरोक्त टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से भाजपा में शामिल होने वाले कांग्रेस विधायक के साथ चर्चा हुई है। 27 या 28 फरवरी को गुवाहाटी में भाजपा का मेगा ज्वाइनिंग कार्यक्रम होगा। कांग्रेस के कई नेता पार्टी छोड़ने को तैयार हैं। कांग्रेस के कुछ और विधायक एआईयूडीएफ में भी शामिल होंगे।

सत्ता में आने पर अग्निपथ योजना होगी खत्म : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को वादा किया है कि सरकार में आने पर सेना में भर्ती से जुड़ी अग्निपथ योजना को खत्म कर पुरानी भर्ती प्रक्रिया लागू की जाएगी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर योजना को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर की थी। कांग्रेस नेता सचिन पायलट और रणदीप हुड्डा ने पार्टी मुख्यालय में इस संबंध में पत्रकार वार्ता में कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की सेना में अपना भविष्य देखने वाले युवाओं के साथ खड़ी है। सचिन पायलट ने कहा कि अग्निपथ योजना का कांग्रेस पार्टी ने शुरुआत से ही विरोध किया है। ये सेना के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार 14 जून को अग्निपथ योजना लाई थी। सरकार का यह निर्णय एकतरफा था। इसका उद्देश्य सेना की औसत आयु को कम और सेना का आधुनिकीकरण करना बताया गया था। असल में मोदी सरकार ने इस योजना को पैसा बचाने के लिए शुरू किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार रक्षा निर्यात से बहुत पैसा कमा रही है। अगर रक्षा क्षेत्र सक्षम है तो सरकार को हमारे सैनिकों के जीवन, उनके पेंशन और परिवार की सुख-सुविधाओं के लिए काम करना चाहिए। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि देश में कोविड के दौरान और उससे पहले सेना की कई भर्तियां पूरी हो चुकी थीं। केवल जॉइनिंग बाकी थी। इससे पहले ही सरकार अग्निपथ योजना ले आई। सरकार ने चयनित नौजवानों को जॉइनिंग नहीं दी। इन नौजवानों ने राहुल गांधी से मिलकर अपना दर्द साझा किया था। राहुल गांधी इनकी आवाज लगातार उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इन चयनित नौजवानों को जॉइनिंग देने की मांग की है। कांग्रेस इन नौजवानों के साथ है। इनकी जॉइनिंग होने तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी। हुड्डा ने पूछा कि सरकार किसके कहने पर अग्निपथ योजना लेकर आई है। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना की मांग न सेना ने रखी थी और न ही भर्ती होने वाले नौजवानों ने रखी थी। पूर्व सेना अध्यक्ष एमएम नरवणे भी कह चुके हैं कि सरकार का अग्निपथ योजना लाने का फैसला चौंकाने वाला था।

पृष्ठ एक का शेष

पिछले दरवाजे से ...

गुजरात उत्तराखंड के बाद यूसीसी को लागू करने वाला तीसरा राज्य होगा। देखना यह है कि सरकार इस दिशा में क्या रुख आने वाले दिनों में अख्तियार करती है। बता दें कि उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने राज्य विधानसभा ने इसी साल 7 फरवरी को एक विधेयक पारित किया था जिसमें अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर सभी समुदायों के लिए विवाह, तलाक, विरासत और लिव-इन रिलेशनशिप पर समान नियम लागू करने का प्रावधान है। वहीं, मुख्यमंत्री शर्मा ने पिछले महीने यानी जनवरी में कहा था कि उत्तराखंड और गुजरात के बाद असम समान नागरिक संहिता की मांग करने वाला विधेयक पेश करने वाला तीसरा राज्य होगा। साथ ही उन्होंने कहा था कि यह आदिवासी समुदायों को कानून के दायरे से छूट देगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने विधानसभा में चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया के सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम समान नागरिक संहिता लाएंगे और हम इसे सामने के दरवाजे से लाएंगे। इस विधेयक को ध्वनि मत से विधानसभा में पारित कर दिया गया।

जब तक मैं ...

इस फैसले का सत्तारूढ़ भाजपा ने स्वागत किया, जबकि विपक्षी दलों ने दावा किया कि यह कदम कि मुसलमानों के खिलाफ भेदभावपूर्ण था। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने दावा किया कि अधिनियम को निरस्त करना असम में एकीकृत नागरिक संहिता (यूसीसी) लाने के लिए पहला कदम था, लेकिन यह राज्य में भाजपा सरकार की मृत्यु की घंटी होगी। असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम 1935 को निरस्त करने के बाद, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य की मुस्लिम महिलाओं को *अत्याचार और शोषण* से राहत मिलेगी, उन्होंने कहा कि यह अधिनियम बाल विवाह को खत्म करने में भी मदद करेगा। नगांव में मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में बाल विवाह के खिलाफ एक और अभियान चलाएगी।

पीएम ने रेलवे ...

का 19,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के मुताबिक ये स्टेशन शहर के दोनों किनारों को एक साथ मिलाते हुए *शहर के केंद्र* के रूप में कार्य करेंगे। इन स्टेशनों पर सुंदर भूदृश्य, इंटर मॉडल कनेक्टिविटी, बच्चों के खेलने का क्षेत्र, कियोस्क, फूड कोर्ट समेत आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध होगी। इन स्टेशनों को पर्यावरण और दिव्यांगों के अनुकूल पुनर्विकसित किया जाएगा। इन स्टेशन भवनों का डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में गोमती नगर स्टेशन का उद्घाटन किया। लगभग 385 करोड़ रुपए की कुल लागत से इसका पुनर्विकास किया गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 1500 रोड ओवरब्रिज और अंडरपास का शिलान्यास किया और इनमें से कुछ को राष्ट्र को समर्पित भी किया। ये रोड ओवरब्रिज और अंडरपास 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित हैं। लगभग 21,520 करोड़ रुपए की लागत से इन परियोजनाओं का निर्माण किया गया है। इन परियोजनाओं से भीड़ कम होगी, सुरक्षा व संपर्कता बढ़ेगी और रेल यात्रा की क्षमता व दक्षता में सुधार होगा।

हम ऐसे समाज ...

सभी तत्वों को 5एफ से जोड़ रहे हैं। यह 5एफ फार्म, फाइबर, फैक्ट्री, फैशन और विदेशी है। एक तरह से पूरा दृश्य हमारे सामने है, पांच एफ के इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए, हम किसानों, एमएसएमई और निर्यात को प्रोत्साहित कर रहे हैं। हमने निवेश और टर्नओवर के मामले में एमएसएमई की परिभाषा में भी संशोधन किया है, इससे उद्योगों का पैमाना और आकार की वृद्धि होगी। बड़े होने के बाद भी उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि आज, 100 से अधिक देशों के 3000 से अधिक प्रदर्शक, 3 हजार खरीदार और 40,000 व्यापार आगंतुक इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एक साथ आए हैं। यह कार्यक्रम सदस्यों के लिए कपड़ा पारिस्थितिकी तंत्र से मिलने और अपने विचार साझा करने के लिए एक मंच बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि हम ऐसे समाज की रचना करना चाहते हैं, जहां सरकार की दखल कम से कम हो। हां गरीब को जरूरत है, तो उसकी जरूरत जरूर पूरी करनी चाहिए। बाकियों के जीवन में टांग अड़ाने की सरकार की आदत के खिलाफ मैं 10 साल से लड़ाई लड़ रहा हूं और आने वाले 5 साल में मैं ये पक्का करके रहूंगा। भारत मंडपम में भारत टेक्स 2024 के उद्घाटन पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 26 जुलाई 2023 को पीएम मोदी द्वारा इस भारत मंडपम का उद्घाटन किए हुए केवल 7 महीने हुए हैं और केवल सात महीनों में, यह जगह और यशोभूमि छोटी पड़ने लगी है। अब, हमें दोनों स्थानों पर चरण 2 को जल्द से जल्द शुरू करने की आवश्यकता है, जिसका उद्घाटन आप (पीएम मोदी) अपने तीसरे कार्यकाल में कर सकते हैं।

व्यासजी तहखाने में ...

पूजा का अधिकार दिए जाने को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने वाराणसी जिला जज के 31 जनवरी के पूजा शुरू कराए जाने के आदेश को सही करार दिया। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने फैसला सुनाया। मुस्लिम पक्ष यानि अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी ने जिला जज वाराणसी के पूजा शुरू कराए जाने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने 15 फरवरी को दोनों पक्षों की लंबी बहस के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था। हाईकोर्ट ने हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद पहले ही फैसला सुरक्षित रख लिया था। अंजुमन इंतजामिया कमेटी की तरफ से वाराणसी कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें पूजा पर स्टे लगाने की बात कही गई थी। मुस्लिम पक्ष का दावा था कि डीएम को वाराणसी कोर्ट ने रिसीवर नियुक्त किया है, जो पहले से काशी विश्वनाथ मंदिर के सदस्य हैं। इसलिए उनको नियुक्त नहीं किया जा सकता है। मुस्लिम पक्ष ने यह भी कहा है कि दस्तावेज में किसी तहखाने का जिक्र नहीं है। मुस्लिम पक्ष ने यह भी कहा था कि व्यासजी ने पहले ही पूजा का अधिकार ट्रस्ट को ट्रांसफर कर दिया था। उन्हें अर्जी दाखिल करने का अधिकार नहीं है। बता दें कि ज्ञानव्यापी मस्जिद के सर्वे के बाद तहखाना खोल दिया गया था। इस मामले में शैलेंद्र कुमार पाठक ने वाद भी दायर किया था, जिसके बाद 31 जनवरी को जिला जज के आदेश पर हिंदू पक्ष को पूजा का अधिकार दे दिया गया था। जिला जल के आदेश के बाद काशी विश्वनाथ ट्रस्ट ने पूजा-अर्चना शुरू कर दी थी। दरअसल, पूजा शुरू होने से पहले इस मामले में हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि नवंबर 1993 से पहले व्यास तहखाने में पूजा-पाठ को उस वक्त की प्रदेश सरकार ने रुकवा दिया था। जिसको शुरू करने का पुनः अधिकार दिया जाए। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट का हवाला देते हुए याचिका को खारिज करने की मांग की थी। लेकिन कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को अस्वीकार करते हुए हिंदू पक्ष को ज्ञानवापी के व्यास तहखाने में पूजा-पाठ का अधिकार दे दिया था।

पांच राज्यों में शुरू होगा...

एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने विचार साझा करते हुए आयुष के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आईसीएमआर और आयुष के बीच साझेदारी इस बात का प्रमाण है कि आधुनिक और पारंपरिक चिकित्सा दुनिया भर के नागरिकों को लाभ पहुंचाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आईसीएमआर जैसे संस्थानों से साक्ष्य के आधार पर आयुष चिकित्सा को शुरू करने से एनीमिया से निपटने के लिए कम लागत में समाधान उपलब्ध कराए जाएंगे। 95,000 लाभार्थियों को कम लागत में वैश्विक स्तर पर चिकित्सा समूहों को अध्ययन और शोध करने के अवसर मिलेंगे। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा कि पहले चरण में दोनों मंत्रालयों ने संयुक्त रूप से कार्य करने का निर्णय लिया है। पांच राज्यों के पांच जिलों में 14 से 18 वर्ष की लड़कियों की शारीरिक स्थिति में सुधार लाने पर ध्यान दिया जाएगा जिसमें असम में धुबड़ी, छत्तीसगढ़ में बस्तर, झारखंड में पश्चिम सिंहभूम, महाराष्ट्र में गढ़चिरौली और राजस्थान में धौलपुर शामिल है। अभियान के पहले चरण के लिए पहचाने गए इन पांच जिलों में ज्यादातर जनजातीय आबादी शामिल है। इन पांच जिलों में प्रजनन आयु के अंतर्गत महिलाओं में रक्ताल्पता (एनीमिया) की स्थिति लगभग 69.5 प्रतिशत है। किशोरावस्था में एनीमिया शारीरिक और मानसिक क्षमता को कम करता है और काम करने की क्षमता और बालिकाओं के शैक्षिक प्रदर्शन में एकाग्रता को कम करता है। इन समस्याओं के कारण लड़कियों में भविष्य में सुरक्षित मातृत्व के लिए भी बड़ा खतरा पैदा हो जाता है। भारत में चिकित्सा की पारंपरिक पद्धतियां प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था में स्वास्थ्य देखभाल का अभिन्न अंग हैं। हालांकि, देश के एनीमिया आधिकता क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले आयुष उपचारों को अभी तक सार्वजनिक स्वास्थ्य में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन आयुर्वेदिक साइंसेज (सीसीआरएएस) के पास इस क्षेत्र में अच्छे स्तर का परिणाम दे रहे हैं। क्लिनिकल ट्रायल करने के अलावा देश के 13 राज्यों के 323 स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित आयुर्वेद के माध्यम से एनीमिया नियंत्रण पर राष्ट्रीय अभियान शुरू किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में सचिव इंदेवर पांडेय ने अपने भाषण में कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का एक प्राथमिक उद्देश्य बच्चों में कुपोषण की चुनौती से निपटना है। किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के लिए हम सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण योजना चला रहे हैं। इस योजना को देश भर में 13.97 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से लागू किया जा रहा है। 14 से 18 साल की लड़कियों पर ध्यान केंद्रित करना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 18 साल बाद जब उनकी शादी हो जाती है तो वे भविष्य में स्वस्थ बच्चों को जन्म दे सकती हैं। आयुष के साथ हमने पोषण माह और पोषण पखवाड़ा के साथ 2.7 करोड़ आयुष आधारित गतिविधियां की हैं। कार्यक्रम में अन्य गण्यमान्य व्यक्ति, प्रोफेसर रवि नारायण आचार्य, महानिदेशक - सीसीआरएएस, पुष्पा चौधरी, टीम लीड प्रजनन, मातृ, बाल और किशोर स्वास्थ्य डब्ल्यूएचओ, राजीव बहल, आईसीएमआर के महानिदेशक और अन्य महत्वपूर्ण हस्तियां सम्मिलित हुए।

रूसी सेना से ...

लाया गया उसे रूस स्थित भारतीय दूतावास ने वहां के संबंधित विभागों से उठाया और कुछ मामलों के बारे में दिल्ली स्थित रूस के दूतावास में भी उठाया गया है। इस वजह से कई भारतीयों को वहां से छुट्टी दे दी गई है। इस बारे में विदेश मंत्रलाय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने जानकारी मुहैया कराई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने फिर से भारतीय नागरिकों को सावधान किया है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध से दूर रहें। मंत्रालय ने इस बात का पुष्टि मीडिया में छपी रिपोर्ट के बात की थी कि रूस की तरफ से कुछ भारतीयों को बतौर सहायक नियुक्त किया गया है। लेकिन इन्हें इनकी मर्जी के खिलाफ युद्ध भूमि में ले जाया गया है या नहीं इसकी पुष्टि विदेश मंत्रालय ने नहीं की है। प्रवक्ता जायसवाल ने इन बारे में मीडिया रिपोर्ट को गलत करार दिया है। उन्होंने कहा है कि हमने मीडिया में कुछ गलत रिपोर्ट देखी है कि रूस की सेना के साथ कुछ भारतीयों ने वहां से छुट्टी की मांग की है। यह खबर भी आई है कि रूस-यूक्रेन युद्ध में एक भारतीय सहायक की मौत भी ह गई है। बताया गया है कि दुबई में रहने वाली कुछ भारतीयों को रूस में रोजगार देने का काम करने वाली एजेंसियों ने भारतीयों को रूस की सेना की मदद देने वाली टीम के तौर पर नियुक्ति की थी। वहां पहुंचने पर उन्हें बाद में यूक्रेन सीमा पर वहां भेज दिया गया जहां युद्ध हो रही थी। इन भारतीयों को रूस की सेना ने ठेके पर बतौर सहायक नियुक्त किया था लेकिन बाद में इन्हें युद्ध भूमि में तैनात किए जाने की सूचना थी। युद्ध में एक भारतीय सहायक की मौत भी हुई है।

संदेशखाली : अब सरदार...

ग्रामीणों ने टीएमसी नेता शंकर सरदार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उनकी पत्नी ने पुलिस को शिकायत दी कि स्थानीय महिलाओं ने उनके घर में तोड़फोड़ की है। पुलिस अधिकारी इलाके में मौजूद हैं। एक स्थानीय महिला ने कहा कि हम एक एनजीओ में काम करते थे। हमारे लिए सामग्री एक ट्रक में आती थी। अजीत मैती और शंकर ने हमारा सामान और दुकान लूट ली। उन्होंने हमें काम नहीं करने दिया। हम आदिवासी हैं। उन्होंने हमारी जमीन, जंगल और पानी छीन लिया। वहीं, शंकर सरदार की पत्नी का कहना हैं कि महिलाएं हमारे घर में जबरदस्ती घुस आईं और तोड़फोड़ करने लगीं। मेरे पति टीएमसी में हैं, इसलिए महिलाएं उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। विपक्ष उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहा है। वह (शंकर सरदार) घर पर नहीं हैं। बशीरहाट के एसपी एचएम रहमान ने कहा कि कुछ महिलाएं शंकर सरदार के घर में घुस गईं। मैं संदेशखाली के लोगों से कह रहा हूं कि वे कानून अपने हाथ में न लें, अन्यथा पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हमने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने संदेशखाली की घटना पर कहा कि जैसा कि हम खबरों के माध्यम से जानते हैं कि पुलिस वहां गई, मंत्री वहां गए, याचिकाएं प्राप्त हुईं। यदि मैं खबरों की मानूं तो 800 से अधिक याचिकाएं प्राप्त हुई हैं। प्रक्रिया शुरू हो गई है। महिलाएं आगे आई हैं। उन्होंने खुद को मुखर करना शुरू कर दिया है और अब बदलाव होगा। राज्यपाल का काम यह देखना है कि निर्वाचित सरकार कानून के शासन के भीतर कब कार्रवाई करती है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो राज्यपाल हस्तक्षेप करेंगे। उन्होंने कहा कि जहां तक बंगाल का सवाल है, आज का दिन एक गेम-चेंजिंग दिन है। प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल में 28 स्टेशनों का पुर्नशिलन्यास करने जा रहे हैं। आज सरकार द्वारा बंगाल के लिए 31 अंडरपास, 700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि निर्धारित की गई है।

इतिहास : मरयम बनीं ...

मीडिया एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए पीएमएल-एन ने बताया कि मरियम ने अपने नाना-नानी की कब्रों का भी दौरा किया। पीएमएल-एन ने चुनाव से पहले एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे देश के इतिहास में पहली बार, एक महिला पंजाब की सीएम बनेगी। मरियम नवाज शरीफ पंजाब की सीएम पद की शपथ लेने वाली पहली महिला होंगी!

वॉटर स्ट्राइक : भारत ...

पीवी नरसिम्हा राव ने 1995 में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। हालांकि, जम्मू-कश्मीर और पंजाब के बीच विवादों के कारण, परियोजना को निलंबित कर दिया गया और ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। 2018 में केंद्र ने हस्तक्षेप किया, इसे एक राष्ट्रीय परियोजना कहा और पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सरकारों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत शाहपुरकंडी बांध तीन साल में पूरा हो जाएगा। बांध जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ पंजाब के लोगों के लिए भी फायदेमंद है। परियोजना के एक प्रवक्ता के अनुसार, इससे सांबा और कठुआ जिलों में जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे कंडी क्षेत्रों में 32,000 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई होगी। शाहपुर कंडी बांध के चालू होने से पाकिस्तान को पानी गिराए बिना रंजीत सागर बांध को उसकी पूरी क्षमता तक संचालित करने में सक्षम होंगे। शाहपुरकंडी के डाउनस्ट्रीम में पानी की नियंत्रित रिहाई होगी, जिससे माधोपुर बैराज में पानी का बेहतर उपयोग हो सकेगा। जम्मू-कश्मीर को कम से कम 1,150 क्यूसेक पानी मिलेगा जो पहले 1960 की सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को आवंटित किया गया था। जम्मू-कश्मीर को बांध से उत्पन्न जल विद्युत का 20 प्रतिशत भी मिलेगा। सिंधु जल संधि के अनुसार, नई दिल्ली को सतलज, ब्यास और रावी नदियों के पानी पर विशेष अधिकार है, जो सालाना 33 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) है। जबकि इस्लामाबाद का पश्चिमी नदियों - सिंधु, झेलम, चिनाब के 135 एमएएफ पानी पर नियंत्रण है। इस संधि पर 1960 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन पाकिस्तान राष्ट्रपति अयूब खान द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें विश्व बैंक भी हस्ताक्षरकर्ता था।

चीनी कंपनी ने ...

है कि वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और *प्रेजिडेंशियल मिनिस्ट्री ऑफ इंटीरियर* जैसे विभाग टारगेट पर थे। मई 2021 से अक्तूबर 2021 के बीच भारत और चीन सीमा पर तनाव चरम पर होने के दौरान प्रेजिडेंशियल मिनिस्ट्री ऑफ इंटीरियर के विभिन्न कार्यालयों से जुड़ा 5.49जीबी डेटा हैकर ग्रुप के हाथ लगा। आई-सून एक टेक कंपनी है। ये चीन के सरकारी प्रोजेक्ट के ठेके लेती है। इस हैकिंग ग्रुप के दो कर्मचारियों ने बताया कि आई सून और चीन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है कि आखिर ये फाइलें लीक कैसे हुईं। एक कर्मचारी ने बताया कि इस लीक मामले को लेकर 21 फरवरी को आई सून की एक मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में बताया गया था कि इस घटनाक्रम से बिजनेस पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा और कामकाज सामान्य तरीके से जारी रहेगा। आई-सून, एक शंघाई-आधारित कंपनी है। ये चीन को खुफिया जानकारी इकट्ठा करने, हैकिंग और दूसरी मॉनिटरिंग गतिविधियों का संचालन करने में मदद करती है। पिछले हफ्ते सॉफ्टवेयर और कोड-शेयरिंग प्लेटफॉर्म जीआईटी एचयूवी पर 190 मेगाबाइट जानकारी पोस्ट की गई थी। लीक हुए दस्तावेजों की प्रामाणिकता अभी भी जांच के दायरे में है। लीक हुए दस्तावेजों में 2020 से भारत के लगभग 95 जीबी इमिग्रेशन डिटेल्स, जिसे *एंट्री और एग्जिट पॉइंट डेटा* के तौर पर शामिल किया गया है। खास तौर पर तब से जब 2020 में गलवान घाटी झड़प के बाद भारत-चीन संबंधों में तनाव देखा गया था। गिटहब लीक को सबसे पहले उजागर करने वाले ताइवान के शोधकर्ता अजाका ने बताया कि भारत हमेशा से चीन एपीटी के केंद्र में रहा है। लीक हुए डेटा में अपोलो हॉस्पिटल सहित भारत के कुछ संगठन, 2020 में भारत आ रहे और जा रहे लोग, पीएमओ और जनसंख्या रिकॉर्ड शामिल हैं। गूगल क्लाउड के स्वामित्व वाले मेंडिएंट इंटेलिजेंस के चीफ एनालिस्ट जॉन हल्टक्विस्ट का कहना है कि वैश्विक और चीन के साइबर जासूसी ऑपरेशन से जुड़े हैकर्स का ये ऑथेंटिक डेटा है। हमें बहुत मुश्किल से किसी भी तरह के इंटेलिजेंस ऑपरेशन के अंदरूनी कामकाज तक पहुंच मिलती है।

मनोज जारांगे ने खत्म...

खत्म कर दी है। अगले दो दिन के बाद वे आंदोलन की दिशा तय करेंगे। मनोज जारांगे ने रविवार को उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विरुद्ध विवादित बयानबाजी की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि मनोज जारांगे मराठा समाज के हित के लिए जब तक काम कर रहे थे, सरकार ने उनकी हर मांग को माना है लेकिन मनोज जारांगे की मांग हर बार बदल रही है और अब वे राजनीतिक बयानबाजी करने लगे हैं। इसलिए अब कानून अपना काम करेगा। इसके बाद सोमवार को मनोज जारांगे के विरुद्ध बीड़, जालना आदि जिलों में कुल सात मामले दर्ज किए गए। इसी बीच मनोज जारांगे के समर्थकों ने राज्य सरकार का विरोध करना चाहा, लेकिन पुलिस की सख्ती को देखते हुए मनोज जारांगे ने सभी को आंदोलन न करने की अपील की और खुद भी अपनी भूख हड़ताल खत्म करने की घोषणा की। जारांगे ने कहा कि सगे संबंधियों को निजामकालीन दस्तावेज के आधार पर कुनबी जाति प्रमाणपत्र दिए जाने की मांग पर वे अब भी अडिग हैं। इस मांग के समर्थन में वे मराठ समाज से चर्चा करने के बाद दो दिन में आंदोलन की भूमिका स्पष्ट करेंगे। इस बीच सोमवार को मुंबई में भाजपा ने अपने नेताओं और जनप्रतिनिधियों की बैठक बुलाई थी। बैठक में कहा गया कि क्षेत्र में जाकर लोगों को सच्चाई बताएं। सरकार ने ही मराठा समाज के लिए दस प्रतिशत आरक्षण दिया है। साथ ही मनोज जारांगे अब राजनीतिक बयानबाजी कर रहे हैं, इसकी जानकारी भी ग्राउंड स्तर पर बताने का निर्देश भाजपा पदाधिकारियों और विधायकों को दिया गया है।

गलत चिकित्सा पद्धतियों के रोकथाम से संबद्ध विधेयक विस में पारित

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा में आज असम उपचार (बुराइयों की रोकथाम) प्रथा विधेयक 2024 पारित कर दिया गया। इसके जरिए राज्य में तमाम गलत तरीके से किये जा रहे उपचार तथा इसके नाम पर लोगों को झांसा देने का कारोबार बंद हो सकेगा। इस विधेयक के पारित होने से झोलाछाप डॉक्टर तथा नीम हकीमों की दुकानें भी बंद हो जाएंगी। इस प्रकार के किसी कानून के नहीं होने की वजह से जहां समाज में चिकित्सा के नाम पर अंधविश्वास फैलाया जा रहा था। वहीं, लोगों का आर्थिक तथा शारीरिक शोषण भी किया जाता था। झाड़-फूंक के नाम पर प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में लोगों को गुमराह करके बेमौत मार दिया जाता है। अब इस कानून के बनने से ऐसा करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने का रास्ता साफ हो जाएगा। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार अब इस प्रकार के किसी भी दवा या उपचार से संबंधित विज्ञापन पर भी प्रतिबंध लग जाएगा। इस विधेयक के प्रावधानों के अनुसार इससे संबंधित मामले गैर-जमानती होंगे तथा पहले अपराध के लिए तीन साल की कैद एवं 50 हजार रुपए का जुर्माना होगा। इसके बाद दोषी पाए जाने पर पांच साल तक की कैद तथा एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है। विधेयक पारित होने से पहले हुई इस पर चर्चा में प्रतिपक्ष के नेता देवब्रत सैकिया समेत कई विधायकों ने भाग लिया। सैकिया ने कहा कि इस कानून में *बुरी प्रथाओं* की चर्चा की गई है, जिसमें स्पष्टता की कमी है। सैकिया ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां अलग-अलग समुदाय में अलग-अलग प्रकार से हैं। स्पष्टता की कमी के कारण कौन सी पद्धति अपराध के दायरे में आएगी और कौन सी नहीं यह समझना कठिन होगा। सैकिया ने कहा कि सरकार इसके बदले समान नागरिक संहिता ला सकती थी। विधायकों की इस चिंता पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि इस समस्या का समान नागरिक संहिता से कोई लेना-देना नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस विधेयक के पारित करने का उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर प्रतिबंध लगाना नहीं है, बल्कि आर्थिक लाभ के लिए लाईलाज बीमारियों का ईलाज करने का दावा करने वालों पर अंकुश लगाना है। आज विधानसभा में 14 अन्य विधेयक पारित किए गए, जिनमें सरकारी पदों की भर्तियों में अनुचित तरीके का इस्तेमाल करने के विरुद्ध विधेयक भी शामिल है।

असम सरकार ने खेल और शिक्षा के तालमेल पर की पैनल चर्चा

प्रद्युमन शर्मा

गुवहाटी। चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-अष्टलक्ष्मी के मौके पर गौहाटी विश्वविद्यालय के पीडी हॉल में सोमवार को खेल और शिक्षा के तालमेल पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें सरकार द्वारा किए गए पहलों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए असम में विश्वविद्यालयों के बीच खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने को लेकर जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। पैनल चर्चा का संचालन असम के खेल एवं युवा कल्याण सचिव श्री कौसर जे हिलाली ने किया और इसमें प्रख्यात पैनलिस्टों की एक टीम शामिल हुई। इस पैनल में क्रीड़ा भारती असम के संयुक्त सचिव श्री आलोक त्रिपाठी, खेल पत्रकार श्री सुबोध मल्ल बरुआ, सुश्री प्रार्थना हजारिका, सुश्री शुभांगिनी सिंह वर्मा (बायोसाइंस और बायोइंजीनियरिंग विभाग,आईआईटी गुवाहाटी) और श्री अविति कटारे

(आईआईटी गुवाहाटी, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग) शामिल हुए। कॉटन यूनिवर्सिटी, गौहाटी यूनिवर्सिटी और राज्य भर के कुछ अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने चर्चा में भाग लिया, जो मुख्य रूप से इस बात पर केंद्रित थी कि राज्य सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों से राज्य के विश्वविद्यालय कैसे लाभ उठा सकते हैं। साथ ही वे खेल के क्षेत्र में इन अवसरों का कैसे उपयोग कर सकते हैं। पैनल चर्चा के दौरान, पैनलिस्टों ने शिक्षा को खेल के साथ जोड़ने के लिए आने वाले दिनों में काम करने की आवश्यकता वाले क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। जहां तक खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-अष्टलक्ष्मी के चौथे संस्करण का सवाल है, असम से डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी का छह सदस्यों का दल इसमें शामिल हुआ। इसके अलावा पूर्वोत्तर क्षेत्र से सबसे बड़ी भागीदारी मणिपुर यूनिवर्सिटी की देखी गई जहां से 19 सदस्यों का दल खेला।

शेर के जोड़े का नाम अकबर और सीता रखने के कारण वन अधिकारी निलंबित

अगरतला (हिंस)। शेर के एक जोड़े का नाम अकबर और सीता रखने के कारण त्रिपुरा सरकार ने वन अधिकारी प्रवीण लाल अग्रवाल को निलंबित कर दिया है। निलंबित वन अधिकारी भारतीय वन सेवा के अधिकारी हैं। उल्लेखनीय है कि शेर के इस जोड़े को 12 फरवरी को त्रिपुरा के सिपाहीजाला चिड़ियाघर से पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित वन्य पशु पार्क में पहुंचाया गया था। उल्लेखनीय है कि उनका यह निलंबन विश्व हिंदू परिषद की ओर से कोलकाता उच्च न्यायालय में दायर की गई एक याचिका के बाद किया गया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि इस प्रकार के नामकरण के जरिए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया गया है। त्रिपुरा सरकार ने निलंबित अधिकारी अग्रवाल को बगैर अनुमति के अगरतला नहीं छोड़ने का आदेश दिया है।

आग में लाखों रुपए मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर राख

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर जिलांतर्गत कुमारीकाटा में लगी भयावह आग के चलते अफरा-तफरी फैल गई। कुमारीकाटा बाजार स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक व्यावसायिक प्रतिष्ठान में लगी आग के दौरान बिजली के कई उत्पाद जलकर राख हो गए। आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होने की आशंका जताई गई है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती मध्य रात्रि को लगी आग में दुकान के अंदर रखा फ्रीज, मोबाइल फोन, वॉशिंग मशीन समेत कई अन्य सामान जलकर राख हो गया। दुकानदार ने बताया है कि हादसे के दौरान लगभग 15 लाख रुपये से ज्यादा का सामान जल गया है।

श्री जय बजरंग सेवा समिति की आमसभा संपन्न

महाअष्टयाम यज्ञ 6 अप्रैल से

गुवाहाटी। सामाजिक, धार्मिक संस्था श्री जय बजरंग सेवा समिति की आमसभा गत 25 फरवरी को असम कांटा हनुमान मंदिर के प्रांगण में आयोजित हुई। इस आमसभा में पुरानी कार्यकारिणी समिति को भंग कर अमृत भोग भंडारा के संयोजक भागचंद जैन को पदेन अध्यक्ष बनाकर चुनाव कराया गया, जिसमें सर्वसम्मति से संजय सिंह को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। तत्पश्चात आगामी 6 एवं 7 अप्रैल को महाअष्टयाम यज्ञ करने का प्रस्ताव पारित किया गया। यज्ञ के आचार्य की जिम्मेवारी पंडित राजेंद्र झा को दी गई। महायज्ञ के मुख्य यजमान लक्ष्मण पोद्दार एवं उनकी धर्मपत्नी नीतू देवी पोद्दार होंगे। अध्यक्ष सिंह ने पिछले वर्ष के हिसाब का लेखा-जोखा सभा पटल पर रखा, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार एवं मंदिर प्रांगण में बंद पड़े बोरिंग की मरम्मत का जिम्मा भागचंद जैन को दिया गया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। अध्यक्ष सिंह ने बताया कि महाअष्टयाम का सीधा प्रसारण लोकप्रिय चैनल नया भारत आपकी आवाज पर किया जाएगा। इस सभा में रोहित गिरी, नवीन गिरी, कलाधर झा, राजेंद्र दास, पशुपति चौधरी, उग्रेश झा, हीरा प्रसाद साह, टुनटुन गिरी, मनोज शर्मा, ताराचंद अग्रवाल, चंद्रकांत राय, मनोज कुमार, लक्ष्मण कुमार पोद्दार, अरविंद यादव, राम नरेश मिश्र, अरुण पटेल, अजित तिवारी, मनोज ठाकुर, संतोष ठाकुर आदि उपस्थित थे। दूसरी तरफ श्री जय बजरंग सेवा समिति, बेलतला के सौजन्य एवं श्री अमृत भोग भंडारा की तरफ से आज सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक श्रीश्री हनुमान मंदिर के सामने स्थित सड़क पर अमृत जल फ्रूटी का वितरण किया गया। सेवा समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र दास के नेतृत्व में आयोजित अमृत जल फ्रूटी एवं माजा वितरण का सैकड़ों लोगों ने लाभ लिया। सेवा समिति ने इस कार्य में सहयोग करने वाले दानदाताओं को साधुवाद दिया तथा उम्मीद जताई कि सभी दानदाता धर्मार्थ कार्यों में इसी प्रकार निरंतर सहयोग करते रहेंगे।

प्रत्येक माह पेंशन पर असम सरकार खर्च करती 1700 करोड़ रुपए : मुख्यमंत्री

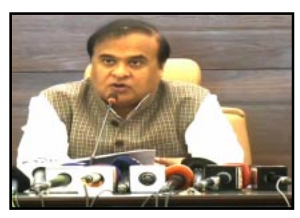

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम सरकार प्रत्येक वर्ष कर्मचारियों को पेंशन देने पर 1700 करोड़ रुपए खर्च करती है। यदि पेंशन की व्यवस्था जारी रही तो अगले 5 साल में राज्य की अर्थव्यवस्था धराशाई हो जाएगी। मुख्यमंत्री आज असम विधानसभा के चालू बजट सत्र में बोल रहे थे। विपक्षी सदस्यों की टोका-टोकी के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार का वेतन पर प्रत्येक माह 2800 करोड़ रुपए खर्च है। यदि सरकार पेंशन योजना जारी रखती है तो अगले 5 साल में वेतन की राशि से अधिक पेंशन की राशि हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार एनपीएस योजना पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एनपीएस योजना के जरिए वही रुपया बैंकों में रख दिया जाएगा, जिससे कर्मचारियों को सुविधाएं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके कहने का मतलब यह नहीं है कि राज्य की अर्थव्यवस्था खराब है, लेकिन यदि इसी प्रकार पेंशन की राशि बढ़ती रही तो राज्य की अर्थव्यवस्था कहीं की नहीं रहेगी।

लायंस उमंग की बोर्ड व साधारण सभा संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की बोर्ड व साधारण सभा का आयोजन होटल विश्वरत्न में किया गया। क्लब की अध्यक्ष कंचन पोद्दार ने सर्वप्रथम सभी सदस्याओं का स्वागत किया। तत्पश्चात सचिव संगीता अग्रवाल ने क्लब द्वारा किए गए सामाजिक एवं मानव सेवा कार्य की जानकारी दी। वहीं कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी ने आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस बैठक में आगामी लायंस जिलापाल पद हेतु श्रीमती सीमा गोयनका (वीडीजी प्रथम) का नामांकन क्लब की ओर से दिया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि इस दौरान रिजन चेयरपर्सन व पूर्व अध्यक्ष श्रीमती रितु बंका व नामांकन समिति की चेयरपर्सन सुनिता पारिक सहित 42 से अधिक सदस्य मौजूद थी। वहीं दूसरी ओर लायंस उमंग के तत्वावधान में युवा नगर में नि:शुल्क नेत्रजांच शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान चिकित्सकों की टीम द्वारा जरूरतमंद रोगियों के नेत्र के जांच के अलावा उन्हें उचित परामर्श भी दिया गया। साथ ही कइयों को जरूरत अनुसार दवाइयां भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। इस शिविर को सफल बनाने में क्लब की सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

केआईयूजी : सुजाता कुजूर की नजरें भारतीय महिला हॉकी टीम पर

सुजाता का शुरुआती करियर संघर्षपूर्ण था लेकिन टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम में शामिल होना उनके लिए गेम-चेंजर साबित हुआ

गुवाहाटी (हिंस)। ओडिशा के एक छोटे से शहर सुंदरगढ़, जहां खेतों की खुशबू युवाओं के सपनों के साथ मिलती है, सुजाता कुजूर एक प्रेरणादायक शख्सियत और एक उदीयमान हॉकी प्रतिभा के रूप में उभरीं। सुजाता की अगुवाई वाली संबलपुर यूनिवर्सिटी की हॉकी टीम ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 अष्टलक्ष्मी में महिला हॉकी का स्वर्ण पदक जीता। संबलपुर यूनिवर्सिटी टीम ने फाइनल में आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर को रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराया। निर्धारित समय की समाप्ति दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। मिडफील्डर के रूप में खेलने वाली सुजाता ने कहा कि चैंपियन के रूप में उभरना एक अविश्वसनीय एहसास है। हमारी टीम ने एकता, अटूट समर्पण और कौशल के आवश्यक संयोजन का सहज मिश्रण प्रदर्शित किया। पूरे समय हमारी कड़ी मेहनत प्रेरक शक्ति बनी रही। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 में कठिन प्रतिस्पर्धा को पहचानते हुए, हमारे सामूहिक दृढ़ संकल्प ने हमें न केवल पदक जीतने बल्कि शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए प्रेरित किया। मुझे अपनी टीम के असाधारण प्रयासों पर बहुत गर्व है। इसी ने हमें इस विजयी क्षण

तक पहुंचाया। दिलचस्प बात यह है कि 10 साल की उम्र में सुजाता की हॉकी की दुनिया में यात्रा केवल एक ही लक्ष्य के साथ शुरू हुई थी और वह था- किसी दिन भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाना। एक किसान पिता और एक गृहिणी मां के घर में जन्मी सुजाता आर्थिक तंगी का शिकार रहीं। यह उनके बढ़ते जुनून के लिए एक बाधा थी। निडर सुजाता की आगे जाने की भावना उन्हें सुंदरगढ़ में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटर तक ले गई, जहां उनके असाधारण प्रदर्शन ने 2020 में कोलकाता में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में उनके पंजीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। सुजाता के जीवन में महत्वपूर्ण मोड़ टारगेट ओलंपिक पोडियम (टॉप्स) योजना में शामिल होने के साथ आया। इस पहल ने न केवल उनके वित्तीय बोझ को कम किया बल्कि उन्हें सुंदरगढ़ में अपने परिवार को सपोर्ट करने की भी अनुमति दी। इस योजना से मिलने वाला स्कॉलरशिप उनके लिए एक जीवन रेखा बन गया। इससे सुजाता को नियमित रूप से घर पैसे भेजने, अपने माता-पिता, एक छोटे भाई और एक बड़ी बहन, जो अभी भी शिक्षा प्राप्त कर रही है, का भरण-पोषण करने में मदद मिली। टॉप्स स्कीम को लेकर सुजाता ने कहा कि टॉप्स योजना मेरी ताकत का स्तंभ रही है। इसने न केवल मेरे हॉकी सपनों को पूरा किया बल्कि मुझे अपने परिवार की देखभाल में योगदान करने में भी सक्षम बनाया। यह मेरे लिए बहुत गर्व का स्रोत है। एनसीओई कोलकाता में, सुजाता ने खुद को ऐसे माहौल में पाया जिसने उनकी प्रतिभा को निखारा। सुविधा ने उसे वह सब कुछ प्रदान किया जिसकी उसे जरूरत थी। उन्हें उचित पोषण से लेकर गुणवत्तापूर्ण उपकरण तक सब कुछ मिला। इस योजना ने उनकी अब तक की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सुजाता की प्रतिभा विश्वविद्यालय स्तर से भी आगे बढ़ी क्योंकि वह पिछले साल जापान में जूनियर एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला जूनियर टीम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। इसके बाद उन्होंने 2023 में डसेलडोर्फ में 4 देशों के जूनियर महिला आमंत्रण टूर्नामेंट और सैंटियागो में एफआईएच जूनियर विश्व कप में भारतीय जूनियर महिला टीम का प्रतिनिधित्व किया। अब 20 साल की उम्र में, सुजाता आत्मविश्वास से अपने लंबे समय के सपने को पूरा करने के लिए तैयार है और यह सपना भारतीय महिला हॉकी टीम में स्थान सुरक्षित करना है। अपने हर कदम में दृढ़ संकल्प के साथ आगे जा रहीं सुजाता ने कहा कि हर बाधा ने केवल मेरे संकल्प को मजबूत किया है। में अपना सर्वश्रेष्ठ देने और भारतीय महिला हॉकी टीम में अपनी छाप छोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हूं। यह यात्रा केवल मेरी नहीं है, यह आकांक्षाओं का प्रतीक है।

मणिपुर के अलसन ने केआईयूजी अष्टलक्ष्मी में पुरुषों के डिस्कस थ्रो में जीता स्वर्ण पदक

सुनिता सिंह

गुवाहाटी। एक प्रमाणित कोच की कमी ने डिस्कस थ्रोअर ओइनम अलसन सिंह के खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023, अष्टलक्ष्मी के चौथे संस्करण में मणिपुर विश्वविद्यालय के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने के आत्मविश्वास को कम नहीं किया। अलसन, जिन्होंने 2021 के अंत में खेल को गंभीरता से लिया, अब तक बिना कोच के प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। वह पूरी तरह अपने चाचाओं की सलाह पर निर्भर हैं, जो उन्हें वेट कंट्रोल और थ्रो टेक्नीक्स के बारे में मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह मेरा पहला खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स है। मुझे यहां स्वर्ण पदक जीतकर खुशी हो रही है। मुझे नहीं पता था कि में मणिपुर विश्वविद्यालय से इस साल स्वर्ण जीतने वाला पहला व्यक्ति हूं। मुझे बहुत से लोगों का समर्थन मिला है, लेकिन कभी कोई पेशेवर कोच नहीं मिला, इसलिए यह और भी संतुष्टिदायक लगता है। ओइनम ने कहा कि 2022 में वह चोट के कारण लगभग पूरे सीजन के लिए एक्शन से बाहर रहे लेकिन पिछले साल बेंगलुरू में एएफआई ओपन नेशनल्स में उन्होंने जोरदार वापसी की। टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन के कारण उन्हें भारतीय नौसेना से खेल अधिकारी के पद के लिए प्रस्ताव भी मिला। उन्होंने कहा कि मुझे केआईयूजी में अच्छे प्रदर्शन का भरोसा था क्योंकि में हाल ही में पोडियम फिनिश का हिस्सा रहा हूं। बेंगलुरू में एएफआई ओपन नेशनल्स में, मैंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 53.99 मीटर हासिल किया, लेकिन चौथे स्थान पर रहा। फिर पिछले साल अंडर-23 राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मैंने 53.55 मीटर के साथ रजत पदक जीता। इसके बाद गोवा में राष्ट्रीय खेल हुए, जहां मैंने 52 मीटर के करीब थ्रो किया। राज्य के थौबल जिले के रहने वाले अलसन ने 51.24 मीटर के सर्वश्रेष्ठ

प्रयास के साथ केआईयूजी पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया। लेकिन ओइनम ने स्वीकार किया कि उनके पास इस खेल में सफल होने के लिए आवश्यक सर्वोत्तम तकनीकी कौशल नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं उतना कुशल नहीं हूं क्योंकि मेरे पास कोई प्रमाणित कोच नहीं है। में केवल अपने चाचाओं से प्राप्त मार्गदर्शन पर निर्भर हूं। वे मुझे वजन प्रशिक्षण और कुछ बुनियादी बातों पर सलाह देते हैं, लेकिन मेरी तकनीक और मेरे खेल में आवश्यक छोटे समायोजनों पर काम करने और ध्यान केंद्रित करने वाला कोई नहीं है। अलसन ने केरल में अपने प्रवास के दौरान खेल में अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त किया, जहां उन्होंने अगले दो वर्षों के लिए बेंगलुरू जाने से पहले अपनी 10वीं की पढ़ाई पूरी करने के लिए तीन साल बिताए। इसके बाद वह अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के लिए गुवाहाटी चले आए और आखिरकार खेल को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया। स्नातक की पढ़ाई पूरी होने पर वह घर वापस आ गए, लेकिन उनके खेल को आगे बढ़ाने के लिए कोई उचित प्रशिक्षक नहीं था और इसके बावजूद अलसन कभी नहीं रुके। असलन ने कहा कि जब मैंने शुरुआत की, तो में अपनी पहली तीन-चार प्रतियोगिताओं में असफल रहा। पहले तीन थ्रो के बाद चूक जाता था। अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में, में फाइनल तक नहीं पहुंच सका। मैंने इसे सुधार के लिए सकारात्मक माना और उन थ्रोअरों से सीखा, उन सीखों को अपने प्रशिक्षण सत्रों के दौरान लागू किया। मेरे चाचा मेरे थ्रोइंग सेशन पर नजर रखते हैं। उनके पास प्रमाणपत्र नहीं हैं लेकिन वे खेल के बारे में थोड़ा-बहुत जानते हैं। में ताकत से ही थ्रो करता हूं। मेरी तकनीक इतनी अच्छी नहीं है। लगातार शीर्ष पर बने रहना बहुत कठिन है।

संपादकीय

भटक गया है किसान आंदोलन

पंजाब और हरियाणा के किसाना संगठनों की ओर से आयोजित आंदोलन राह भटक गया है। किसानों के तौर-तरीके देखकर कोई भी यह नहीं कह सकता कि यह एक शांतिपूर्ण किसान आंदोलन है। जेसीबी, फोकलेन मशीन, ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं अन्य प्रकार की मशीने लेकर दिल्ली कूच करने की नीयत पर संदेह उठना स्वाभाविक है। यदि किसानों को लगता है कि उनकी माँगें देशभर के किसानों हितों का प्रतिनिधित्व करती हैं, तब वे जहाँ हैं, वहीं शांतिपूर्ण धरने पर क्यों नहीं बैठ जाते? शांतिपूर्ण धरने का क्या प्रभाव होता है, यह अन्ना हजारे के आंदोलन ने हम सबको बताया है। इसलिए यह भी नहीं कहा जा सकता कि शांति से अपनी बात कहनेवालों की सरकार सुनती नहीं है। लेकिन पंजाब-हरियाणा के किसान संगठनों के आंदोलन के तौर-तरीके देखकर तो यही लगता है कि उन्हें उग्र प्रदर्शन के लिए पीछे से उकसाया या समर्थन किया जा रहा है। यह आंदोलन एक तरह से राजनीति से प्रेरित और पोषित भी लगता है। अन्यथा क्या कारण था कि केन्द्र सरकार की ओर से पाँच फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य के बेहतरीन प्रस्ताव को ठुकराया जाता। जिस जल्दबाजी के साथ किसान संगठनों ने केंद्र सरकार के समझौते के प्रस्ताव को इनकार किया है, उस देखकर यह भी कहा जा सकता है कि प्रदर्शनकारी किसानों ने समूचे देश के किसानों का नुकसान किया है। यह उजागर तथ्य है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य का सर्वाधिक लाभ पंजाब और हरियाणा के किसान ही लेते हैं, जिन्होंने अन्य फसलों को उगाना बंद करके गेंहू और चावल की फसल पर ही खेती को केंद्रित कर दिया है। याद रखें कि इन फसलों के लिए सबसे अधिक पानी लगता है। जिन क्षेत्रों में पानी के प्राकृतिक स्रोत नहीं है और वहाँ चावल की खेती बहुतायात में की जाती है, इससे भू-जलस्तर का संकट खड़ा होने लगा है। पंजाब ही नहीं, कई अन्य राज्यों में भी खेती से जुड़ा एक बड़ा संकट गिरता भू-जलस्तर है, जिसकी वजह से सिंचाई करना मुश्किल होता जा रहा है। किसान दूसरी फसलों को उगाने के लिए प्रोत्साहित हो इसलिए ही सरकार ने दाल, मक्का और कपास सहित पाँच फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का प्रस्ताव दिया। इस प्रस्ताव से उन किसानों को भी मिलता, जहाँ पंजाब की तरह सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता नहीं है। जो भौगोलिक स्थितियों के कारण कम पानी की फसलें करने के लिए मजबूर हैं। क्या ऐसे किसानों को आर्थिक सुरक्षा नहीं मिलनी चाहिए? प्रदर्शनकारी किसानों ने सरकार के प्रस्ताव को ठुकराकर एक प्रकार से देश के बहुसंख्यक किसानों के हितों पर हमला किया है। किसानों को समझना होगा कि सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी की माँग किसी भी प्रकार से व्यवहारिक नहीं कही जा सकती है। अनेक कृषि विशेषज्ञ एवं किसान संगठनों के प्रमुख भी इस बात को कह रहे हैं कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी से किसानों का भला नहीं होगा। बहरहाल, किसानों को अपनी माँगों एवं सरकार के प्रस्ताव पर ईमानदारी से पुनर्विचार करना चाहिए। हम सब भली प्रकार जानते हैं कि मोदी सरकार किसानों के हितों को प्राथमिकता के साथ देखती है। यह पहली सरकार है जिनसे कमजोर आयवर्ग के किसानों को सीधे आर्थिक सहायता देना प्रारंभ किया। सरकार ने कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए अनेक प्रयत्न किए हैं। प्रदर्शनकारी किसानों को केन्द्र सरकार के टकराने की अपेक्षा बातचीत के प्रयास अधिक करने चाहिए।

किसानों के तौर-तरीके देखकर कोई भी यह नहीं कह सकता कि यह एक शांतिपूर्ण किसान आंदोलन है। जेसीबी, फोकलेन मशीन, ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं अन्य प्रकार की मशीने लेकर दिल्ली कूच करने की नीयत पर संदेह उठना स्वाभाविक है। यदि किसानों को लगता है कि उनकी माँगें देशभर के किसानों हितों का प्रतिनिधित्व करती हैं, तब वे जहाँ हैं, वहीं शांतिपूर्ण धरने पर क्यों नहीं बैठ जाते? शांतिपूर्ण धरने का क्या प्रभाव होता है, यह अन्ना हजारे के आंदोलन ने हम सबको बताया है। इसलिए यह भी नहीं कहा जा सकता कि शांति से अपनी बात कहनेवालों की सरकार सुनती नहीं है। लेकिन पंजाब-हरियाणा के किसान संगठनों के आंदोलन के तौर-तरीके देखकर तो यही लगता है कि उन्हें उग्र प्रदर्शन के लिए पीछे से उकसाया या समर्थन किया जा रहा है। यह आंदोलन एक तरह से राजनीति से प्रेरित और पोषित भी लगता है। अन्यथा क्या कारण था कि केन्द्र सरकार की ओर से पाँच फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य के बेहतरीन प्रस्ताव को ठुकराया जाता। जिस जल्दबाजी के साथ किसान संगठनों ने केंद्र सरकार के समझौते के प्रस्ताव को इनकार किया है, उस देखकर यह भी कहा जा सकता है कि प्रदर्शनकारी किसानों ने समूचे देश के किसानों का नुकसान किया है।

अमरीका में पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों तथा वहां काम करने वाले अन्य भारतीय युवाओं की टारगेट कीलिंग हो रही

आचार्यों की विरासत सहेजने में नाकाम व्यवस्था

प्रताप सिंह पटियाल

शिक्षा एक राष्ट्र की प्रगति का प्रतीक है। यदि आप किसी देश के उन्नयन एवं अवनयन का काल जानना चाहते हैं तो इसे देश की शिक्षा के इतिहास में खोजिए।' यह कथन स्वामी विवेकानंद का था। 'जिस शिक्षा में कर्म की शक्ति नहीं, स्वतंत्र रूप से सोचने की बुद्धि नहीं, खतरा उठाने की प्रवृत्ति नहीं, वह विद्या निस्तेज है', शिक्षा के संदर्भ में यह कथन भारत के प्रख्यात विचारक 'विनोबा भावे' का था। कोई भी राष्ट्र अपनी शिक्षा, संस्कृति व परंपराओं पर गर्व महसूस करता है। हमारे मनीषियों द्वारा रचित विश्व की प्रथम पुस्तक 'ऋग्वेद' व सबसे बड़ा महाकाव्य 'महाभारत', 'रामायण', वेद, पुराण जैसे विश्व प्रसिद्ध ग्रंथ तथा शिक्षा की उत्तम प्रणाली गुरुकुल, मठ व आचार्यों के आश्रम पुष्टि करते हैं कि अनादिकाल से भारत में शिक्षा व्यवस्था का गौरव चरम पर था।

सैंकड़ों वर्ष पूर्व तक्षशिला, नालंदा, भल्लभी व सोमपुरा जैसे भारत के विश्वविद्यालयों में कई देशों के छात्रों ने शिक्षा ग्रहण की थी। मगर विडंबना है कि विश्व को ज्ञान देने वाली भारत की प्रतिभाएं तथा अभिभावक मौजूदा दौर में शिक्षा को लेकर दुश्वारियों के दौर से गुजर रहे हैं। देश की हजारों प्रतिभाएं पढ़ाई के नाम पर प्रतिवर्ष विदेशी शिक्षण संस्थानों का रुख कर रही हैं, बल्कि कई छात्र भारत की नागरिकता छोड़ रहे हैं। भले ही भारत की करोड़ों आबादी गरीबी रेखा से नीचे बसर करने को मजबूर है, मगर विदेशों में शिक्षा हासिल करने वाले हजारों भारतीय छात्रों के अभिभावक हर वर्ष करोड़ों रुपए की महंगी फीस अदा करके अमरीका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन व न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं।

अमरीका, कनाडा व ब्रिटेन शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों के लोकप्रिय डेस्टिनेशन बन चुके हैं, जबकि तथ्य यह है कि ये देश भारत विरोधी मनोग्रंथी का शिकार हो चुके हैं। हिंदोस्तान को अस्थिर करने वाली जिहादी ताकतों की इन देशों में खुलेआम हिमायत हो रही है। पिछले कुछ वर्षों से अमरीका में पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों तथा वहां काम करने वाले अन्य भारतीय युवाओं की टारगेट कीलिंग हो रही है।

शिक्षा का माहौल तनाव रहित होना चाहिए, परंतु इन देशों में पढ़ाई करने वाली भारतीय प्रतिभाएं नस्लीय हिंसा के भेदभाव का शिकार होकर मानसिक तनाव से गुजर रही हैं। इसके बावजूद भारतीय

छात्रों की विदेशी शिक्षण संस्थानों की तरफ कशिश बढ़ रही है। विदेशों में मेडिकल की पढ़ाई करने वाले हजारों भारतीय छात्रों के बारे में देश के लोगों को इल्म तब हुआ जब रूस-यूक्रेन की शदीद जंग में फंस चुके हिंदोस्तान के छात्रों ने खुद को बचाने की गुहार लगाई थी।

बेशक वर्तमान समय में भारत के ज्यादातर छात्र डॉक्टर बनने की चाहत में विदेशी शिक्षण संस्थानों का रुख कर रहे हैं, लेकिन हकीकत यह है कि जब समस्त विश्व चिकित्सा विषय में अनजान था, उस वक्त भारतीय मनीषियों ने चिकित्सा क्षेत्र में कई गौरवमयी कीर्तिमान स्थापित कर दिए थे। ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों के शल्य चिकित्सकों को प्रशिक्षण देने के लिए 'मेलबॉर्न' के 'रॉयल ऑस्ट्रेलियन कॉलेज ऑफ सर्जन्स' में भारतीय महर्षि 'सुश्रुत' की प्रतिमा लगाई गई है। आचार्य सुश्रुत द्वारा संस्कृत में रचित शल्य चिकित्सा का वेद कही जाने वाली 'सुश्रुत संहिता' का अंग्रेजी में अनुवाद भी उस कालेज में सुरक्षित रखा गया है। सन् 1767 में स्थापित 'कोलंबिया यूनिवर्सिटी इरविंग मेडिकल सेंटर' इस बात को स्वीकार कर चुका है कि शल्य चिकित्सा के जनक यानी 'फादर ऑफ सर्जरी' भारत के आचार्य सुश्रुत ही थे।

जाहिर है प्लास्टिक सर्जरी का पितामह भारत है। सैकड़ों वर्ष पूर्व भारत में शल्य चिकित्सा के कई केन्द्र स्थापित हो चुके थे जिनमें ज्यादातर हिमाचल प्रदेश में मौजूद थे। ब्रिटेन के डाक्टरों ने सर्जरी करना भारत से ही सीखा था। भारत से सर्जरी की महारत हासिल करने वाले ब्रिटेन के डॉक्टरों ने अपने मुल्क में जाकर 'फेलो ऑफ दि रॉयल सोसायटी ऑफ लंदन' नामक संस्था की स्थापना भी की थी। अमरीका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड जैसे देश भारत के महान शल्य चिकित्सक आचार्य सुश्रुत की महिमा व महानता को स्वीकार कर चुके हैं कि विश्व में सम्पूर्ण शल्य चिकित्सा की नींव आचार्य सुश्रुत ने ही रखी थी। पशु चिकित्सा पर आधारित विश्व के प्रथम ग्रंथ 'शालिहोत्र संहिता' की रचना महर्षि शालिहोत्र ने हजारों वर्ष पूर्व इसी भारतभूमि पर की थी।

घोड़ों के प्रजनन के विशेषज्ञ शालिहोत्र ऋषि द्वारा रचित 'हया आयुर्वेद', 'अश्वपरास्ना' तथा 'अश्वलक्षण' जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथों का कई भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। सर्जरी के पितामह आचार्य सुश्रुत, तक्षशिला विश्वविद्यालय के छात्र रहे महान आयुर्वेदाचार्य 'जीवक कुमार भच्च', आयुर्वेद के मर्मज्ञ ऋषि 'पुनर्वसु आत्रेय' व उनके शिष्य आयुर्वेदाचार्य 'अग्निवेश' जतूकर्ण, भेलाचार्य तथा हाथियों के प्रबंधन व उपचार पर शोध करने वाले 'गजशास्त्र' के रचयिता 'पालकाप्य मुनि' व शालिहोत्र जैसे आचार्यों की वैज्ञानिक सोच व चिकित्सा क्षेत्र में योगदान की अमूल्य ज्ञान संपदा को समझने के प्रयास पूरी शिद्दत से नहीं हुए।

भारत की प्राचीन पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद का डंका पूरे विश्व में बज रहा है, मगर मेडिकल विषय के छात्रों के लिए आयुर्वेद के विशारद व 'फादर ऑफ इंडियन मेडिसन' 'महर्षि चरक' के नाम की शपथ लेने पर देश की सियासी हरारत बढ़ जाती है। यदि दुनिया को शल्य चिकित्सा व आयुर्वेद का ज्ञान देने वाले 'विश्व गुरु' भारतवर्ष की प्रतिभाएं मेडिकल विषय की शिक्षा के लिए विदेशों में भटक रही हैं तो मतलब साफ है कि देश की शिक्षा व्यवस्था आचार्य सुश्रुत व महर्षि चरक तथा शालिहोत्र जैसे विद्वान आचार्यों की चिकित्सा की गौरवशाली ज्ञान विरासत को सहजने में नाकाम रही है।

विदेशी शिक्षण संस्थानों का अर्थतंत्र भारतीय छात्रों की महंगी फीस पर निर्भर है। चिकित्सा की बेहद महंगी शिक्षा ही चिकित्सा क्षेत्र में महंगे ईलाज का कारण बनी। नतीजतन निजी शिक्षण संस्थानों में शिक्षा तथा निजी अस्पतालों में चिकित्सा आम लोगों की पहुंच से दूर हो चुकी है।

देश की हजारों प्रतिभाएं पढ़ाई के नाम पर प्रतिवर्ष विदेशी शिक्षण संस्थानों का रुख कर रही हैं, बल्कि कई छात्र भारत की नागरिकता छोड़ रहे हैं। भले ही भारत की करोड़ों आबादी गरीबी रेखा से नीचे बसर करने को मजबूर है, मगर विदेशों में शिक्षा हासिल करने वाले हजारों भारतीय छात्रों के अभिभावक हर वर्ष करोड़ों रुपए की महंगी फीस अदा करके अमरीका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन व न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं।

दृष्टि कोण

स्वस्थ लोकतंत्र और सुशासन के लिए निष्पक्ष और स्वतंत्र निर्वाचन आयोग जरूरी

ठीक 18वीं लोकसभा के चुनाव से पहले भारत निर्वाचन अयोग की निष्पक्षता फिर चर्चा में आ गई है। चर्चा का विषय निर्वाचन आयुक्तों के चयन से शुरू हो कर अब चुनावी बॉड पर टिक गया है। केन्द्र सरकार ने चुनाव सुधार की प्रकृया में जिस चुनावी बॉड व्यवस्था को शुरू किया था उसे सर्वोच्च न्यायलय ने असंवैधानिक घोषित कर दिया। इससे पहले मार्च 2023 में सर्वोच्च न्यायलय की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता एक चयन समिति के गठन का अदेश पारित किया था जिसमें प्रधान न्यायाधीश के प्रतिनिधि समेत लोकसभा अध्यक्ष, लोकसभा में प्रतिपक्ष या सबसे बड़े दल नेता ने शामिल होना था। अदालती आदेश के क्रम में चयन समिति का कानून सरकार ने संसद से पास करा लिया है जिसमें प्रधान न्यायाधीश के स्थान पर प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केन्द्रीय मंत्री को सदस्य बनाने का प्रावधान किया गया है।

निर्वाचन आयुक्तों के चयन की नई व्यवस्था : जस्टिस के.एम. जोसेफ की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की

संविधान पीठ ने 2 मार्च 2023 को कुछ याचिकाओं पर फैसला दिया था कि अब राष्ट्रपति द्वारा निर्वाचन आयोग के मुख्य न्यायाधीश समेत आयुक्तों की नियुक्ति एक कमटी की सिफारिश पर की जाएगी जिसमें प्रधानमंत्री के अलावा प्रधान न्यायाधीश, प्रतिपक्ष या लोकसभा में सबसे बड़े दल के नेता और स्पीकर शामिल होंगे। आदालत का यह आदेश इस दिशा में नया कानून पास होने तक लागू रहना था, क्योंकि कानून बनाने का दायित्व अदालत का नहीं बल्कि संसद का है। इस दिशा में केन्द्र सरकार ने संसद से नया कानून पास करा दिया है। अब संसद द्वारा पारित मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 की धारा 7 में प्रावधान किया गया है कि- "मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी। समिति में (ए) प्रधान मंत्री - अध्यक्ष (बी) लोक सभा में विपक्ष के नेता - सदस्य (सी) प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री - सदस्य होंगे। हालांकि इस कानून को चुनौती देते हुए इस पर रोक लगाने की मांग एडीआर नाम के एनजीओ ने सर्वोच्च न्यायालय से की थी जिस अदालत ने खरिज कर दिया लेकिन याचिका पर केन्द्र सरकार को नोटिस भी जारी कर दिया। अब इस मामले में अगली सुनवाई अप्रैल में होनी है।

सात दशक बाद भी सुधार की प्रक्रिया अधूरी : चुनाव सुधारों की प्रक्रिया 1951 से ही शुरू हो गई थी। इसी क्रम में आयोग को निष्पक्ष बनाने एवं चुनाव में धनबल, बाहुबल जैसे अनुचित माध्यमों का इस्तेमाल रोकने के लिए 1974 में तारकुण्डे समिति से लेकर 2010 में तनखा समिति तक 8 के करीब समितियों का गठन हो चुका है। सभी ने निर्वाचन प्रक्रिया में शुचिता के लिए कई सुझाव दिए जिन पर कार्यवाही भी हुई। जैसे इलेक्शन पीटीसन के लिए ट्रिब्यूनल में जाने के बजाय हाइकोर्ट में जाना, मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष करना, ईवीएम मशीनों का प्रयोग, मतदाता पहचान-पत्रों का चलन, दो से अधिक क्षेत्रों से चुनाव लड़ने पर रोक, मतदान कर्मियों को सीधे निर्वाचन आयोग के अधीन करना, चुनाव खर्च की सीमा तय करना और मतदान समाप्त होने से आधे घण्टे पहले तक एक्जिट पोल पर रोक आदि शामिल हैं। पहले एक सदस्यीय आयोग होता था। अब दो अन्य आयुक्त भी आयोग में शामिल कर लिए गए हैं। लेकिन आयोग में सुधार के लिए जो सिफारिशें की गई थीं उन पर कार्यवाही नहीं हुई। आयोग में दो अतिरिक्त आयुक्तों की पहली बार नियुक्ति 16 अक्टूबर 1989 को हुई थी जिनका कार्यकाल बहुत ही कम 1 जनवरी 1990 तक रहा। उसके बाद 1 अक्टूबर 1993 से नियमित रूप से केन्द्र सरकार द्वारा मुख्य आयुक्त के साथ दो अन्य आयुक्त नियुक्त किए जाने लगे।

कुछ अलग

दुर्घटना से देर भली

नोएडा से दिल्ली की राह आसान बनाने के लिए प्रगति मैदान टनल रोड प्रोजेक्ट प्लान किया गया था। दो साल पहले जब यह टनल खुली तो इंडिया गेट पर अपनी शाम बिताने जाने वालों की खुशी का ठिकाना न रहा। सोचा, अब तो बिना रुके चंद मिनटों में दूरी तय हो जाएगी। लेकिन यह खुशी कुछ दिनों में ही काफूर हो गई। सफर तो आसान हुआ नहीं, आए दिन टनल बंद हो जाने पर भारी जाम में अलग फंसना पड़ रहा है। दो साल के भीतर ही इसमें दरारें पड़ने लगीं, छत और दीवारों से पानी रिसने लगा है। पिछले मॉनसून के दौरान तो इतना पानी भर गया कि महीने भर तक इसे बंद करना पड़ गया। जिस प्रोजेक्ट को इंजीनियरिंग का मास्टरपीस बताया गया था, लोक निर्माण विभाग ने आज उसे यात्रियों के लिए खतरनाक बता दिया है। एक्सपर्ट तो इसके निर्माण और डिज़ाइन में ऐसी खामी बता रहे हैं, जिसे दुरुस्त ही नहीं किया जा सकता। इसे बनाने वाली कंपनी और पीडब्लूडी एक-दूसरे पर दोष मढ़ने में लगे हैं। पैसों और वक्त की बर्बादी का ज़िम्मेदार कौन, इसका जवाब किसी के पास नहीं। यह स्थिति सिर्फ एक जगह की नहीं, हाल में तैयार हुए कई बड़े प्रोजेक्ट इस तरह की खामियों की वजह से सवालों के घेरे में आ गए हैं। नोएडा में पर्थला केबल ब्रिज को खुले अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ कि उसकी सड़क हर थोड़े दिन में उखड़ने की शिकायत आ रही है। यही हाल गुड़गांव में है। अभी दिसंबर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाली सोहना एलिवेटेड रोड पर गड्ढा होने के बाद इसकी दो लेन यातायात के लिए पूरी तरह बंद करनी पड़ी। 21 किलोमीटर लंबी यह एलिवेटेड रोड तीन साल पहले ही खुली है। यहां का हीरो होंडा चौक फ्लाईओवर भी चालू होने के छह महीनों के भीतर ही दरारें आने के कारण दो बार बंद करना पड़ा था। अपनी वर्ल्ड क्लास क्वॉलिटी के लिए मशहूर दिल्ली मेट्रो भी अब अछूती नहीं रही। इसी महीने, पिंक लाइन पर हुए हादसे ने इसकी साख को ज़बरदस्त चोट पहुंचाई है। गोकुलपुरी स्टेशन की दीवार का एक हिस्सा अचानक गिरने से नीचे से गुज़र रहे एक शख्स की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह लाइन कुछ साल पहले ही तैयार हुई थी। पिछले 22 साल में मेट्रो की किसी भी लाइन के चालू होने के बाद ऐसी दुर्घटना की खबर कभी नहीं आई। ये तो हुई उन परियोजनाओं की बात, जो शुरू होते ही जर्जर होने लगी हैं। लेकिन बहुत से ऐसे प्रोजेक्ट भी हैं जो वर्षों बाद भी ज़मीन पर उतर नहीं पा रहे। इन्हीं में से एक है बिहार के भागलपुर में गंगा नदी पर बन रहा करीब तीन किमी लंबा पुल। पिछले साल जून में इसके तीन पिलर पानी में समाने का विडियो काफी वायरल हुआ था। पुल का एक हिस्सा 2022 में भी इसी तरह टूट गया था। जांच में पाया गया कि इसका डिज़ाइन ही गलत है और निर्माण में कई नियमों की अनदेखी की गई। तब इस पुल के कुछ और हिस्से को तोड़कर फिर से बनाया जा रहा था कि एक साल के भीतर ही यह फिर ढह गया। पुल का शिलान्यास 2014 में किया गया था। दस साल बाद भी इसका भविष्य अधर में है। कुछ ऐसी ही कहानी कोलकाता के विवेकानंद फ्लाईओवर की है। 2016 में निर्माण के दौरान इस फ्लाईओवर का भारी-भरकम बीम गिरने से 28 लोग अपनी गाड़ियों में ही बुरी तरह कुचलकर मारे गए और 96 लोग ज़ख्मी हुए थे। यह फ्लाईओवर सात साल से बन रहा था, जबकि इसे 18 महीने में तैयार करने का दावा किया गया था। घटिया सामग्री के इस्तेमाल की बात सामने आने के बाद आखिरकार 2021 में इस फ्लाईओवर को पूरी तरह गिराने का फैसला किया गया।

देश दुनीया से

संकटग्रस्त दुनिया को नई चेतावनी

विश्व में 'डूमस्डे क्लॉक' अपनी तरह की एक प्रतीकात्मक घड़ी है, जिसकी सुइयों की स्थिति के माध्यम से यह दर्शाने का प्रयास किया जाता है कि विश्व किसी बहुत बड़े संकट की आशंका के कितने नजदीक है। इस घड़ी का संचालन 'बुलेटिन ऑफ एटोमिक साइंटिस्ट्स' नामक वैज्ञानिक संस्थान द्वारा किया जाता है। इसके परामर्शदाताओं में 15 नोबेल पुरस्कार विजेता भी हैं। ये सभी मिलकर प्रति वर्ष तय करते हैं कि इस वर्ष घड़ी की सुइयों को कहां रखा जाए। इस घड़ी में रात के 12 बजे को धरती पर बहुत बड़े संकट का पर्याय माना गया है। घड़ी की सुइयां रात के 12 बजे के जितने नजदीक रखी जाएगी, उतने ही बड़े संकट से धरती (व उसके लोगों व जीवों) के संकट की स्थिति मानी जाएगी। 2024 में इन सुइयों को (रात के) 12 बजने में 90 सेकंड पर रखा गया है।

धरती की जीवनदायिनी क्षमताओं के अधिक संकटग्रस्त होने के बीच हाल ही में वैज्ञानिकों ने नई चेतावनी जारी की है। इसे डूमस्डे क्लाक चेतावनी कहा जा रहा है। विश्व में 'डूमस्डे क्लॉक' अपनी तरह की एक प्रतीकात्मक घड़ी है, जिसकी सुइयों की स्थिति के माध्यम से यह दर्शाने का प्रयास किया जाता है कि विश्व किसी बहुत बड़े संकट की आशंका के कितने नजदीक है। इस घड़ी का संचालन 'बुलेटिन ऑफ एटोमिक साइंटिस्ट्स' नामक वैज्ञानिक संस्थान द्वारा किया जाता है। इसके परामर्शदाताओं में 15 नोबेल पुरस्कार विजेता भी हैं। ये सभी मिलकर प्रति वर्ष तय करते हैं कि इस वर्ष घड़ी की सुइयों को कहां रखा जाए। इस घड़ी में रात के 12 बजे को धरती पर बहुत बड़े संकट का पर्याय माना गया है। घडी की सुइयां रात के 12 बजे के जितने नजदीक रखी जाएगी, उतने ही बड़े संकट से धरती (व उसके लोगों व जीवों) के संकट की स्थिति मानी जाएगी। 2024 में इन सुइयों को (रात के) 12 बजने में 90 सेकंड पर रखा गया है। संकट के प्रतीक 12 बजे के समय से इन सुइयों की इतनी नजदीकी 2023-24 के अतिरिक्त कभी नहीं रही। दूसरे शब्दों में, यह घड़ी दर्शा रही है कि इस समय धरती किसी बहुत बड़े संकट के सबसे करीब है। 'डूमस्डे घड़ी' के वार्षिक प्रतिवेदन में इस स्थिति के तीन कारण बताए गए हैं। पहली वजह यह है कि जलवायु बदलाव का संकट बढ़ रहा है। जलवायु बदलाव नियंत्रित करने की संभावनाएं समग्र रूप से धूमिल हुई हैं। दूसरी वजह यह है कि परमाणु हथियार नियंत्रित करने के समझौते कमजोर हुए हैं, जिससे परमाणु युद्ध का खतरा बढ़ा है। तीसरी वजह यह है कि ए.आई. (आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस) व जेनेटिक इंजीनियरिंग का बहुत दुरुपयोग हो रहा है, जिसका सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इन तीन कारणों के मिले-जुले असर से आज विश्व बहुत बड़े संकट की आशंका की दहलीज पर पहुंच चुका है। और इस संकट को कम करने के लिए तुरंत कदम उठाना जरूरी है। सवाल यह है कि क्या 'डूमस्डे घड़ी' के इस अति महत्वपूर्ण संदेश को विश्व नेतृत्व समय रहते समझेगा?

हाल के वर्षों में यह निरंतर स्पष्ट होता रहा है कि अब तो धरती की जीवनदायिनी क्षमता ही खतरे में है। जिन कारणों से हजारों वर्षों तक धरती पर विविधतापूर्ण जीवन पनप सका, वे आधार ही संकटग्रस्त हो चुके हैं। इन अति गंभीर समस्याओं के समाधान को सर्वाधिक महत्व पूरे विश्व में मिले, इसे ध्यान में रखते हुए 'धरती रक्षा अभियान' (सेव द अर्थ कैंपेन) आरंभ किया गया है। इस अभियान का व्यापक उद्देश्य धरती की जीवनदायिनी क्षमता की रक्षा करना है। इसके दो विशिष्ट उद्देश्य हैं–पहला, धरती से सभी परमाणु हथियार व महाविनाशक हथियार समाप्त हों व दूसरे, धरती पर तापमान वृद्धि को तय मानक तक सीमित रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। इस अभियान का प्रथम प्रयास यह है कि मौजूदा दशक (2020-30) को वैश्विक स्तर पर 'धरती रक्षा दशक' के रूप में घोषित किया जाए। एक बड़ा सवाल हमारे सामने है कि आखिर इन गंभीर संकटों को समय रहते कैसे कम किया जाए। समय सीमा का सवाल इस कारण भी बहुत बड़ा है, क्योंकि जलवायु बदलाव के साथ टिपिंग पॉइंट भी जुड़े हैं। एक बार यह सीमा पार हो गई, तो फिर स्थितियां नियंत्रण से बाहर निकल सकती हैं। विश्व के शीर्ष विशेषज्ञ बता रहे हैं कि इस समस्या के समाधान के लिए हमारे पास बस एक दशक बचा है। एक बड़ी जरूरत इस बात की है कि धरती के जीवन पर मंडरा रहे अभूतपूर्व संकट की समझ अधिक लोगों तक पहुंचे। यह समझ सही परिप्रेक्ष्य में अधिक लोगों तक पहुंचेगी, तभी लोग अधिक संख्या में आगे आएंगे। इस समय इन मुद्दों की गंभीरता की जानकारी रखने वाले लोगों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। इन मुद्दों को न्याय व लोकतंत्र के मुद्दों से जोड़कर व्यापक समझ बनानेवाले लोगों की संख्या तो और भी कम है। ऐसी समझ बनाकर हमें धरती की रक्षा की वह राह निकालनी है, जो समता व सादगी, न्याय व लोकतंत्र की राह है। इस समय संकट और समाधान की सही समझ को अधिक लोगों तक पहुंचाना और उन्हें समाधान के प्रयासों से जोड़ना एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

आप का नजरीया

शिक्षक-अभिभावकों के साझे प्रयासों से समाधान

यह विडंबना ही है कि जिस उम्र में छात्रों को एकाग्र होकर पढ़ाई-लिखाई में बेहतर करके अपना भविष्य संवारना चाहिए था, उस उम्र में वे हिंसक गतिविधियों में लिप्त हैं। किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रवृत्ति हमारे समाज के लिये एक चेतावनी ही है। आए दिन स्कूली छात्रों के खूनी टकराव और छात्रों की जान जाने की खबरें आ रही हैं। जो शिक्षकों और अभिभावकों के लिये गंभीर चिंता की बात है। विचारणीय प्रश्न यह है कि खेलने-खाने की उम्र में छात्रों के व्यवहार में यह आक्रामकता क्यों आ रही है। दरअसल, इसी संकट की आहट को महसूस करते हुए दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को आदेश दिया है कि विद्यार्थियों के बस्ते की औचक जांच के लिए एक समिति बनायी जाए। जिसका मकसद है कि किसी लड़ाई-झगड़े में छात्रों को नुकसान पहुंचने वाली घातक वस्तुओं की निगरानी करना। ताकि किसी टकराव और संघर्ष की स्थिति में कम से कम किसी छात्र की जिंदगी पर संकट न आए। उद्देश्य यही है कि छात्रों के लिए स्कूल परिसरों में सुरक्षित माहौल बनाया जा सके। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या छात्रों के बस्ते की निगरानी मात्र से इस समस्या का समाधान संभव है? क्या इस फौरी उपचार से आक्रामक होती मानसिकता पर अंकुश लग पाएगा? क्या शिक्षक भी इस बात पर मंथन कर रहे हैं कि हमारे बच्चे गुस्से में क्यों हैं? आखिर वे किन मनःस्थितियों से गुजरकर घातक कदम उठा रहे हैं। निस्संदेह, हमारे वातावरण, टीवी, फिल्मों और अन्य सूचना माध्यमों में ऐसा बहुत कुछ मौजूद है जो उनके व्यवहार में अप्रत्याशित बदलाव ला रहा है। बेलगाम इंटरनेट के घातक प्रभावों से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हाल के दशकों में इंटरनेट में ऐसे तमाम हिंसक वीडियो गेम उपलब्ध हैं जो किशोरों के बालमन पर प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। बच्चे खेल-खेल में कई ऐसे हिंसक वीडियो गेम में रम जाते हैं जहां मारने-काटने के खेल आम बात है। किशोरों की ऐसे ऑनलाइन खेलों की लत लगना अब आम बात हो गई है। कहते हैं बच्चों का मस्तिष्क एक कोरी स्लेट की तरह होता है। उसे जिस तरह का ज्ञान बाह्य स्रोतों से मिलता है उसकी मनोवृत्ति उसी के अनुरूप ढल जाती है। दरअसल, आज भागदौड़ की जिंदगी में अभिभावकों के पास भी इतना समय नहीं है कि वे बच्चों की चौबीस घंटे निगरानी कर सकें। उनकी धारणा है कि कम से कम बच्चा मोबाइल के साथ उनके करीब तो है। मोबाइल आज एक ऐसा बेलगाम साधन बन गया है जिसमें कौन क्या परोस रहा है और उसका बच्चों पर क्या असर होगा, कोई नहीं कह सकता। वहीं स्कूलों के स्तर पर शिक्षकों की भूमिका पहले जैसी नहीं रही, जो छात्रों के रुझान व सोच को संवारने में गहरी रुचि रखते थे। हमारे राजनीतिक परिदृश्य में भी जो आक्रामकता बढ़ रही है वह भी नई पीढ़ी को संवेदनहीन बना रही है। आए दिन आरोप-प्रत्यारोप और पराभव की राजनीति बालमन पर नकारात्मक प्रभाव डालती है।

पंजाब के किसानों के समर्थन में कैथल के किसानों ने निकाला ट्रैक्टर मार्च

पंजाब से लगे टटियाना बॉर्डर पर ट्रैक्टर के साथ पहुंचे चंद किसान

कैथल (हिंस)। भारतीय किसान यूनियन और संयुक्त किसान मोर्चा ने सोमवार को कैथल कलायत और गुहला में ट्रैक्टर मार्च निकाला। किसान मोर्चा के आह्वान के अनुसार किसानों ने कैथल, पाई, तितरम मोड, कलायत में हिसार हाईवे और गुहला में टटियाना मार्ग पर सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक ट्रैक्टरों की कतार खड़ी कर अपना विरोध दर्ज करवाया। किसानों ने शांतिपूर्वक खड़े किए गए ट्रैक्टरों का मुंह दिल्ली की ओर कर रखा था। किसानों के ट्रैक्टर मार्च का कैथल जिले में कहीं कोई विशेष प्रभाव देखने को नहीं मिला। वहीं ट्रैक्टर श्रृंखला के मद्देनजर पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। हाईवे के सभी थानों की पुलिस को सुरक्षा व व्यवस्था बनाने के लिए आदेश किए गए थे। टटियाना बॉर्डर पर ट्रैक्टर लेकर पहुंचे पंजाब केकिसान सोमवार सुबह टटियाना बॉर्डर के पीछे पटियाला की तरफ पंजाब के 15-16 किसान अपने ट्रैक्टर लेकर बॉर्डर पर पहुंचे। पंजाब के किसानों ने

सड़क की बाएं तरफ अपने-अपने ट्रैक्टर खड़े कर दिए और सड़क पर बैठ गए। किसानों ने शांतिपूर्वक अपना विरोध दर्ज करवाया और कोई भी नारेबाजी नहीं की। कुछ देर बाद पंजाब के किस वापस पंजाब की तरफ लौट गए। सोमवार सुबह भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किस गांव सिमला में जमा हुए। जहां से किसानों ने भारतीय किसान यूनियन धन्ना भगत के प्रधान होशियार गिल प्यौदा अगुवाई में ट्रैक्टर मार्च शुरू किया। सभी किसान ट्रैक्टरों पर गांव सिमला से बिदराना होते हुए अनाज मंडी कलायत पहुंचे। जहां से भी बाजारों से होते हुए किसान चौक पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। प्रधान होशियार गिल प्यौदा ने कहा कि ट्रैक्टर मार्च भारत को डब्ल्यूटीओ से बाहर निकालने के लिए और पंजाब के किसानों के समर्थन में किया जा रहा है। सरकारों को किसानों की बात सुननी चाहिए और उनकी मांगों को पूरा करना चाहिए। ट्रैक्टर मार्च में जोगिंदर नैन, नरेश चहल नरड़, अमर नैन कान्हाखेड़ा, सुरेंद्र चौशाला गुरनाम सहारन, बलकार कोलेखां, गुर्जर चौसाला, साधु राम कोलेखां, रामपाल सहारन व जियालाल डुंडवा शामिल रहे। तितरम मोड पर राजा राम प्यौदा की अगुवाई में कुछ किसान अपने ट्रैक्टर ट्राली के साथ पहुंचे और हाईवे पर अपने ट्रैक्टर खड़े कर दिए। किसान वहां से कुछ देर बाद अपने घरों को लौट गए।

राष्ट्र और हिंदू के हित में काम करने वाली चुनी जाएगी सरकार : आलोक कुमार

राम मंदिर से रामराज की तरह कार्य करेगी विहिप

अयोध्या (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय प्रबंध समिति और प्रन्यासी मंडल की बैठक कारसेवकपुरम में चल रही है। सोमवार को मंदिर निर्माण कार्यशाला में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार बताया कि रामनगरी में पहली बार विहिप की बैठक चल रही है। कार्यकारी अध्यक्ष ने बैठक के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि बैठक में दो प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हो रही है,देश में आने वाले चुनाव पर विश्व हिनपरिषद के कार्यकर्ता काम करेंगे और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। इसके अलावा शत प्रतिशत वोट के लिए विहिप आवाहन करेगी, कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे। जाति धर्म के आधार पर वोट न करने के लिए अपील किया जाएगा, राष्ट्र और हिंदू के हित में काम करने वाली सरकार चुनी जाएगी। केवल राष्ट्रहित में ही मतदान करने के लिए विहिप आवाहन करेगी।

उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण के साथ राम मंदिर निर्माण का अभियान विहिप का पूरा हुआ। राम मंदिर में पूजा, दान और मंदिर की व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार नहीं है। विहिप राम मंदिर से रामराज की तरफ काम कार्य करेगी। विश्व हिंदू परिषद अच्छे समाज के लिए आवश्यक 6 चीजों पर अब विहिप के कार्यकर्ता काम करेंगे। रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार रामराज्य की परिकल्पना के जरूरी लिए है। विश्व हिंदू परिषद समाज में ऊंच नीच को भी खत्म करने के लिए काम करेगी, समरस समाज अच्छा कुटुंब हो इसका प्रयास होगा। लिव इन रिलेशनशिप पर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि विवाह और पारिवारिक व्यवस्था को नष्ट करने वाला लिव इन रिलेशनशिप है। सभी धर्म की महिलाओं के लिए उनके गरिमा और उनके बराबरी के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए विहिप कार्य करेगी।

अति पिछड़ा जाति की महिला के साथ हुए अन्याय का बदला लेगी जनता

भागलपुर (हिंस)। जिले के गोपालपुर जदयू विधायक नरेंद्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल का विवादों से चोरी दामन का साथ रहा है। अपने बयानों से विधायक हमेशा सुर्खियों में बने ही रहते हैं। उल्लेखनीय हो कि जिले के रंगरा थाना क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व हुए एक महिला की हत्या हुई थी। इसी को लेकर सोमवार को विधायक पीड़ित परिजन से मिलने पहुंचे। लेकिन यहां भी उनका भड़काऊ बोल जारी रहा। उन्होंने यहां कहा कि अतिपिछड़ा समाज को बदनाम किया गया है। अतिपिछड़ा का नाम केस में दिया गया है। अगर अतिपिछड़ा का नाम केस से नहीं हटाया जाएगा तो युद्ध जारी रहेगा, आग धधकेगा।

बिल्डर से परेशान परिवारों ने वोट नहीं देने का लिया निर्णय

गुरुग्राम (हिंस)। बिल्डर्स पर फ्लैट देने में देरी पर कार्रवाई करने के उद्देश्य से रेरा का गठन करने के बाद भी बिल्डर लेट-लतीफी से बाज नहीं आ रहे। वर्ष 2017 में फ्लैट कराने वालों को अब तक भी फ्लैट नहीं मिल पाए हैं। इसके विरोध में फ्लैट खरीदारों ने सोमवार को बिल्डर के खिलाफ रेरा कार्यालय पर प्रदर्शन किया। साथ ही निर्णय लिया कि फ्लैट खरीदने वाले एक हजार से अधिक परिवार इस बार वोट नहीं देंगे। यहां रेरा कार्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों ने कहा कि अब तक आठ साल में साइट पर 60 प्रतिशत भी काम पूरा नहीं हो पाया है। वे गुरुग्राम से लेकर चंडीगढ़ तक न्याय की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। निवेशक महेंद्र कुमार सैनी, शशि सक्सेना ने कहा कि उन्होंने अपने सपने का आशियाना बनाने के लिए बैंक से लोन लिया था। अब तक न तो उन्हें फ्लैट मिल पाया है और न ही बैंक अपनी रिकवरी रोक रहा है। अब उन पर इंस्टालमेंट और रेंट की दोहरी मार पड़ रही है। उन्होंने बताया कि बिल्डर ने साल 2016 में द्वारका एक्सप्रेस-वे पर एक्सप्रेस टावर के नाम से इस प्रोजेक्ट को लांच किया था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लांच हुए इस को हरेरा से स्वीकृति मिलने के बाद प्रोजेक्ट पर उन्हें विश्वास गया था। साल 2017 में एनवायरमेंट क्लीयरेंस मिलने के बाद इस प्रोजेक्ट को तीन साल में पूरा करना था, लेकिन आज तक यह प्रोजेक्ट करीब 60 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। वह अपनी शिकायत लेकर किसी अधिकारी के पास जाते हैं तो उन्हें यह कह कर वापस भेज दिया जाता है कि उनकी समस्या का समाधान हरेरा द्वारा ही किया जाएगा। मनीष कुमार दास, आशा ने कहा कि अगर जल्द ही उन्हें अपने सपनों का आशियाना नहीं मिला तो निवेश करने वाले सभी परिवार चुनावों का बहिष्कार करेंगे।

विपक्षी गठबंधन का कोई मतलब नहीं : ब्रजेश पाठक

कानपुर (हिंस)। कांग्रेस व सपा पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को स्पेशल ओलंपिक भारत में खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन करने पहुंचे उप्र के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा विपक्ष के गठबंधन का कोई भी मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षियों का यह गठबंधन एक तरह का नए डिब्बे में पुराना माल है। यह वहीं लोग हो जो उप्र में पहले भी गठबंधन कर चुके हैं। आने वाले समय में उप्र में यह गठबंधन धरातल में पहुंचते- पहुंचते ध्वस्त होने वाला है। जनता अनजान नहीं है कि किसे मतदान करना है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्पेशल ओलंपिक भारत में स्पेशल खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

हेमंत सोरेन के विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने के मामले में झारखंड हाई कोर्ट का फैसला सुरक्षित

रांची (हिंस)। जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति मामले में सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। ईडी कोर्ट की ओर से बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति नहीं दिए जाने को हेमंत सोरेन की ओर से हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। इससे पहले सोमवार को मामले में ईडी की ओर से जवाब दायर किया गया। हेमंत सोरेन की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने वर्चुअल मोड में पक्ष रखते हुए कहा कि हेमंत सोरेन चार्जशीटेड नहीं हैं। वे चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं और झारखंड के पूर्व सीएम रह चुके हैं। सिब्बल ने कहा कि विधानसभा सत्र में भाग लेना उनका संवैधानिक अधिकार है। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में प्रतिदिन हरेक विभाग का मनी बिल पास होता है। इसलिए हेमंत सोरेन का सदन में रहना जरूरी है। यह बजट सत्र काफी छोटा है। वर्चुअल मोड में सुनवाई में भाग लेते हुए ईडी की ओर से एएसजीआई एसवी राजू ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हेमंत के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ईडी की विशेष अदालत ने 22 फरवरी को हेमंत सोरेन को बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति नहीं दी थी और हेमंत सोरेन की याचिका खारिज कर दी थी। इसके खिलाफ हेमंत सोरेन की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दायर कर विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने की अनुमति मांगी गई है। हेमंत सोरेन अभी ईडी की न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद है। इससे पहले हेमंत सोरेन को विश्वास मत के दौरान सदन की कार्यवाही में शामिल होने की एक दिन अनुमति ईडी की विशेष अदालत से मिली थी।

अखिलेश यादव को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं : त्रिवेंद्र सिंह रावत

बदायूं (हिंस)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर जनपद पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री का यहां पर कार्यकर्ताओं और नेताओं ने स्वागत किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर जमकर हमला बोला। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पार्टी कार्यालय पर पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। इसके बाद डायट स्थित ऑडिटोरियम में खिलाड़ियों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को संबोधित किया। कार्यक्रम के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रेसवार्ता की, जिसमें उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को अपने विधायकों पर भरोसा नहीं है, इसलिए वह बयान दे रहे हैं कि सरकार वोटिंग का दबाव बना रही है। किसान आंदोलन को लेकर उन्होंने कहा कि यह किसान

आंदोलन नहीं है, यह राजनीतिक आंदोलन है। आंदोलन में किसान जेसीबी, ट्रैक्टर और हथियार लेकर पहुंच रहे हैं। इसके पीछे राजनीतिक लोगों का हाथ है। हल्द्वानी हिंसा को लेकर उन्होंने कहा कि हल्द्वानी में जो हिंसा हुई वह पूर्व नियोजित थी। पूरे मामले की जांच चल रही है, हिंसा में जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई भी दंगाइयों से की जाएगी। बदायूं में कार्यक्रम में शामिल होने के बाद त्रिवेंद्र सिंह रावत संभल के लिए रवाना हो गए।

पप्पू यादव को कांग्रेस से टिकट नहीं मिली, भ्रामक खबर चलाया जा रहा : छोटू

पूर्णिया (हिंस)। कल से लगातार एक यूट्यूब चैनल पर तथा पोर्टल न्यूज पर खबर चलाई जा रही थी कि कांग्रेस ने पप्पू यादव का टिकट पूर्णिया से एमपी के चुनाव के लिए फाइनल हो गया है और उन्हें स्वीकृति मिल गई है। इस खबर को लेकर चारों तरफ कई तरह की चर्चाएं चल रही थी। आज कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस बात का खंडन किया है। उन्होंने कहा है कि पटना के एक न्यूज चैनल ने खबर चलाई कि पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को टिकट दे दिया गया है,जो बिल्कुल ही निराधार और तथ्यहीन है। उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी में टिकट वितरण की एक स्थापित प्रक्रिया है।

दूध की ताकत के दम पर हरियाणा के खिलाड़ियों ने मचाई धूम : बिप्लब कुमार देब

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में पशुपालकों के लिए चल रही कल्याणकारी योजनाएं

नारनौल (हिंस)। हरियाणा भाजपा के प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद बिप्लब कुमार देब ने कहा कि मानव सृष्टि के समय से जो पशु प्रेम लोगों में होता था, वही पशु प्रेम आज भी हरियाणा के लोगों के दिलों में है। हरियाणा के पशुओं की दूध की ताकत के दम पर ही राज्य के खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया में धूम मचाई है। वे सोमवार को जिला महेंद्रगढ़ के गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय 40वीं राज्य पशुधन प्रदर्शनी-2024 के पुरस्कार एवं समापन समारोह में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पशुपालन एवं डेयरी तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने की। इस मौके पर बिप्लब कुमार देब ने पशु पालकों को लाखों का ईनाम देकर सम्मानित किया। बिप्लब कुमार देब ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के 11 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि

के तहत आर्थिक सहायता दी जाती है। वहीं हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार पशुपालकों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चल रही है। पशुपालन विभाग द्वारा लगाई गई इस प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन में पहली बार पशुओं को रैंप पर चलते हुए देखा है। उन्होंने हरियाणा के नागरिकों के स्वभाव की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा के लोगों को धमकी व धन से नहीं खरीदा जा सकता, उन्हें प्यार से जीता जा सकता है। हरियाणा बीजेपी प्रभारी ने कहा कि आजादी के बाद से किसानों के बारे में कोरी बातें होती थी। 2014 के बाद देश व प्रदेश में किसानों व पशुपालकों की तकदीर बदली है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का कार्य करें। देश के प्रधानमंत्री ने पहली बार पदम श्री पुरस्कार किसान को देने का कार्य किया है। इस मौके पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अंकुर गुप्ता, पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो रामबिलास शर्मा, हकेवि के कुलपति प्रो. डॉ. टंकेश्वर कुमार, पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव, पशुधन विकास बोर्ड के अध्यक्ष धर्मवीर मिर्जापुर, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के महानिदेशक डा एलसी रंगा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन का शंखनाद आज गोविंद देव जी मंदिर से

जयपुर (हिंस)। संयुक्त भारतीय धर्म संसद के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर से श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन का आगाज किया जाएगा। इसके तहत द्वारिका से मथुरा तक इकतालीस सौ किलोमीटर की रथ यात्रा संयुक्त भारतीय धर्म संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य राजेश्वर के नेतृत्व में निकाली जाएगी। राजस्थान पूर्वी प्रांत के प्रदेश अध्यक्ष राव प्रहलाद सिंह देवपुरा ने बताया कि संयुक्त भारतीय धर्म संसद एवं अनेक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार की सुबह साढ़े नौ बजे जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर से श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन का शंखनाद किया जा रहा है। यह रथ यात्रा गुजरात,मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली व उत्तर प्रदेश सहित इन सात राज्यों में भ्रमण करते हुए नागेश्वर, सोमनाथ, ओंकारेश्वर, त्र्यंबकेश्वर, महाकालेश्वर इन पांच ज्योतिर्लिंगों की पूजा कर मथुरा पहुंचेगी। इस यात्रा में एक करोड़ से अधिक लोग प्रत्यक्ष रूप में जुड़ेंगे। यात्रा का ढाई सौ से अधिक स्थानों पर स्वागत व ठहराव होगा। इस आंदोलन के तहत आचार्य राजेश्वर व संगठन के केंद्रीय पदाधिकारीगण देश के सौ शहरों में संपर्क सभाएं करेंगे। वहीं संगठन के संरक्षक भक्त कवि डॉक्टर कैलाश परवाल सरल द्वारा रचित श्री कृष्णम पर आधारित श्रीकृष्ण की जीवनी पर विशेष उद्बोधन भी करेंगे। इसके साथ ही संगठन के पचास प्रदेश अध्यक्षों व जिला अध्यक्षों के नेतृत्व में लगभग सात हजार जनसंपर्क सभाएं होंगी। इस यात्रा का प्रभाव संपूर्ण भारतवर्ष में पड़े इसके लिए भारत के ख्यात नाम संतो के सानिध्य संरक्षण में यात्रा निकाली जाएगी।

माताओं-बहनों का अपमान करने वाले टीचर्स की कुंडली तैयार करा रहा हूं : दिलावर

जयपुर (हिंस)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने माताओं-बहनों का अपमान करने वाले शिक्षकों को सुधरने की चेतावनी देते हुए कहा है कि ऐसे टीचर्स की कुंडली तैयार करा रहा हूं। उनकी संपत्तियों की पहचान कर नेस्तनाबूद करूंगा। शिक्षा मंत्री दिलावर सोमवार दोपहर बाड़मेर के आदर्श विद्या मंदिर शिक्षण संस्थान के स्कूल के भूमि पूजन व शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैंने संकल्प लिया है, जिन शिक्षकों ने माताओं-बहनों का अपमान और दुराचार किया है, उनकी कुंडली तैयार करवा रहा हूं। उन्होंने अगर अवैध तरीके से या सरकारी नियमों की अनदेखी कर संपत्ति बनाई है तो उसे नेस्तनाबूद करूंगा। उन्होंने कहा कि मैंने पुलिस व शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि ऐसे टीचर्स की सूची तैयार करें, ताकि शिक्षा के क्षेत्र से दुराचारियों का नाश हो। कार्यक्रम में नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी मौजूद थे। वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर उनको नमन करते हुए दिलावर ने कहा कि वे महान क्रांतिकारी थे। देश आजाद होने के बाद भी वे जेल में रहे। कुछ

राजनीतिक पार्टियों के लोग कहते हैं कि वे अंग्रेजों के एजेंट थे। इसलिए उन्होंने जमानत पर आने के लिए माफी मांगी थी। ऐसा कहने वाले देश के दुश्मन हैं। वीर सावरकर हमारे आदर्श और प्रेरणा पुंज हैं। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इस मौके पर विधायक डॉ. प्रियंका चौधरी, पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पालीवाल मौजूद रहे।

गोहत्या बंद करने के लिए 10 मार्च को भारत बंद में करें भागीदारी : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी (हिंस)। ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने देश में गोहत्या बंद करने के लिए आगामी दस मार्च को सिर्फ दस मिनट के लिए भारत बंद का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 10 मार्च को पूर्वाह्न 10.10 बजे तक सिर्फ बंदी में शामिल लोग अपने-अपने घर, कार्यालय अथवा प्रतिष्ठान के बाहर निकलकर गोमाता के प्रति अपने हृदय की भावना को प्रकट करें। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सोमवार अपराह्न केदारघाट स्थित श्री विद्यामठ में मीडिया कर्मियों से रूबरू थे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में गोहत्या महापाप है। गोहत्या करने वाले को समर्थन देने वाले को भी यह पाप लगता है। इसलिए सत्ता में आकर गोहत्या करने वाले राजनीतिक दलों को मत देने वाले मतदाताओं को भी गोहत्या का पाप लग रहा है। हिंदुओं को इससे बचने और अपने मताधिकार का सही प्रयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आपके द्वार पर जो भी दल के लोग वोट लेने आएं उनसे आप यह कह सकते हैं कि गो

हत्या न करने का शपथ-पत्र लिखित रूप से देने पर ही वोट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनडीए और इंडिया की तर्ज पर गो- गठबंधन बनाएंगे। गोमाता को राष्ट्र माता घोषित कराने के लिए हम स्वयं आगामी 14 मार्च 2024 को वृन्दावन से दिल्ली तक की पदयात्रा करेंगे। यह यात्रा गोवर्धन परिक्रमा से आरंभ होगी और वर्ष 1966 में जहां गोभक्तों पर गोली चली थी संसद भवन दिल्ली के उस स्थान पर जाकर रामा गो की रक्षा करने के संकल्प के साथ पूर्ण होगी। मार्ग में सभी राजनीतिक दलों को अवसर होगा कि वे यात्रा में सम्मिलित होकर गोरक्षा का संकल्प लें और उद्घोषणा करें। उन्होंने बताया कि जो सियासी पार्टियां भारत की भूमि से गो हत्या बंद करने का शपथ-पत्र देंगी। वे पार्टियां इस यात्रा में सम्मिलित होकर अपना शपथ-पत्र दे सकती हैं। जो भी राजनीतिक दल इस प्रकार का शपथ-पत्र देकर भारत से गोहत्या बंद कराने की स्पष्ट घोषणा करेगा, हम उस दल को गो-गठबंधन का अंग मानकर मतदान करने के लिए सनातनी हिंदू समाज से अपील करेंगे। उन्होंने सरकार से मांग किया कि भारत में गोहत्या को दंडनीय अपराध माना जाए और गोमाता को पशुसूची से निकालकर राष्ट्रमाता का सम्मान दिया जाए। जिस प्रकार देश में राष्ट्र ध्वज, राष्ट्रीय पक्षी आदि को संविधान में सम्मान प्राप्त है। वैसे ही गौमाता को भी राष्ट्र माता का सम्मान प्राप्त हो।

चुनावी बॉण्ड रद्द करने से अधिक पारदर्शिता आएगी, नोबेल विजेता अमर्त्य सेन ये बोले

नई दिल्ली ।
प्रख्यात अर्थशास्त्री और नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द करने के उच्चतम न्यायालय के हालिया फैसले का स्वागत किया और इस योजना को घोटाला बताकर इसकी निंदा की। सेन ने अमेरिका के मैसाचुसेट स से बात की और कहा कि इस कदम से चुनाव के संदर्भ में लोगों के बीच अधिक पारदर्शिता आएगी। उन्होंने कहा, ''चुनावी बॉण्ड एक घोटाला था और मुझे खुशी है कि अब उसे हटा दिया गया है। मुझे उम्मीद है कि लोग चुनाव के संदर्भ में एक-दूसरे को जो समर्थन देते हैं, उसमें अधिक पारदर्शिता आएगी। उच्चतम न्यायालय ने इस महीने की शुरुआत में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राजनीति के वित्तपोषण के लिए लाई गई चुनावी बॉण्ड योजना को ''असंवैधानिक'' करार देते हुए निरस्त कर दिया था और चंदा देने वालों, बॉण्ड के मूल्यों और उनके प्राप्तकर्ताओं की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ ने 2018 की इस योजना को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एवं सूचना के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन बताया। शीर्ष अदालत केंद्र की इस दलील से सहमत नहीं थी कि इस योजना का उद्देश्य राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाना और काले धन पर अंकुश लगाना था। लोकसभा चुनाव से पहले आए इस फैसले में न्यायालय ने इस योजना को तत्काल बंद करने तथा इस योजना के लिए अधिकृत वित्तीय संस्थान 'भारतीय स्टेट बैंक' (एसबीआई) को 12 अप्रैल, 2019 से अब तक खरीदे गए चुनावी बॉण्ड का विस्तृत ब्योरा छह मार्च तक निर्वाचन आयोग को सौंपने का भी निर्देश दिया। सेन ने कहा, ''भारत में चुनावी प्रणाली दलगत राजनीति की प्रकृति से काफी प्रभावित है, जिससे आम लोगों के लिए यह सुनना बहुत कठिन हो जाता है कि उन्हें चुनाव में भाग लेना चाहिए।'' अर्थशास्त्री ने कहा कि देश की चुनावी प्रणाली इस बात से प्रभावित होती है कि सरकार विपक्षी दलों के साथ कैसा व्यवहार करती है। उन्होंने कहा, ''यह विपक्षी दलों और उन लोगों के साथ व्यवहार से प्रभावित होती है जिन्हें सरकार प्रतिबंधों के तहत रखना चाहती है। हम नागरिकों की अभिव्यक्ति और कार्य करने की स्वतंत्रता के अलावा यथासंभव स्वतंत्र चुनावी प्रणाली चाहते हैं।'' सेन ने जोर देकर कहा, ''भारतीय संविधान सभी नागरिकों को पर्याप्त राजनीतिक स्वतंत्रता देना चाहता है और वह यह नहीं चाहता कि किसी विशेष समुदाय को विशेषाधिकार मिले।

न्यूज़ ब्रीफ

स्मार्टफोन शाओमी 14 अल्ट्रा चीन में लॉन्च, ये है एक कैमरा सेंट्रिक स्मार्टफोन

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी शाओमी ने अपने लेटेस्ट फ्लैगशिप स्मार्टफोन शाओमी 14 अल्ट्रा को चीन में लॉन्च किया है। पुराने मॉडल की तुलना में 136 प्रतिशत ज्यादा लाइट कैप्चर करेगा और शाओमी 14 प्रो की तरह सेम वेरिएबल अपर्चर ऑफर करेगा। ये एक कैमरा सेंट्रिक स्मार्टफोन है, जिसमें लेइका सुमिलक्स ऑप्टिकल लेंस दिया गया है। शाओमी 14 अल्ट्रा की शुरुआती कीमत 12जीबी + 256जीबी वेरिएंट के लिए सीएनवाय 6,499 (लगभग 75,000 रुपये) रखी गई है। वहीं, इसके टॉप 16जीबी + 1टीबी टाइटेनियम वेरिएंट की कीमत सीएनवाय 8,799 (लगभग 1,03,250 रुपये) तय की गई है। फोन को ब्लू, ब्लैक और वाइट कलर ऑप्शन में पेश किया गया है। फोन की ग्लोबल लॉन्चिंग 25 फरवरी को की जाएगी। इस स्मार्टफोन में 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 3000नीटस पीक ब्राइटनेस के साथ 6.73-इंच क्वॉड एचडी (3200 म 1440 पिक्सल) एलटीपीओ अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। इस फोन में 16जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम और अड्रेनो 750 जीपीयू के साथ क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 8 जेन 3 प्रोसेसर दिया गया है।ये फोन एंड्रॉयज 14 बेस्ड हायपर ओएस पर चलता है। फोटोग्राफी के लिए इसके रियर में लेइका ट्यून्ड क्वॉड-कैमरा सेटअप दिया गया है। इसमें 1-इंच सेंसर के साथ 50 एमपी का प्राइमरी कैमरा है। साथ ही इसमें 3.2एक्स ऑप्टिकल जूम और 5एक्स ऑप्टिकल जूम के साथ दो और 50एमपी के कैमरे दिए गए हैं। सिक्योरिटी के लिए फोन में इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर भी मौजूद है। इसमें डोल्बी अटमोस सपोर्ट के साथ स्टीरियो स्पीकर्स भी दिए गए हैं। डस्ट और वाटर रेजिस्टेंस के लिए ये फोन आईपी68 रेटेड है।इसके अलावा 50एमपी का एक अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा भी मिलता है। सेल्फी के लिए फोन के फ्रंट में 32एमपी कैमरा दिया गया है। इसकी बैटरी 5,300 एमएएच की है और यहां 90 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी दिया गया है।

भारत का गरीबी स्तर पांच प्रतिशत से नीचे गिर गया है: नीति आयोग, प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च 2011-12 की तुलना में 2022-23 में दोगुना से अधिक हो गया

नई दिल्ली । नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रमण्यम ने कहा कि नए घरेलू उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण से संकेत मिलता है कि भारत का गरीबी स्तर 5 प्रतिशत से नीचे गिर गया है और ग्रामीण व शहरी, दोनों क्षेत्रों में लोग अधिक समृद्ध हो रहे हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च 2011-12 की तुलना में 2022-23 में दोगुना से अधिक हो गया है, जो देश में समृद्धि के बढ़ते स्तर को दर्शाता है। सुब्रमण्यम ने कहा कि उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण सरकार द्वारा उठाए गए गरीबी उन्मूलन उपायों की सफलता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण में जनसंख्या को 20 अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया और आंकड़ों से पता चला कि सभी श्रेणियों के लिए औसत प्रति व्यक्ति मासिक व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 3,773 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 6,459 रुपये है। निचले 0-5 प्रतिशत वर्ग का औसत प्रति व्यक्ति मासिक व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 1,373 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 2,001 रुपये आंका गया है।

सोना और चांदी के भाव में गिरावट, सोना 62,200 और चांदी 70 हजार रुपए

नई दिल्ली । इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 62,200 रुपये और चांदी के वायदा भाव 70 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वहीं वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में भी सुस्ती देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 18 रुपये की गिरावट के साथ 62,327 रुपये के भाव पर खुला और 138 रुपये की गिरावट के साथ 62,207 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 297 रुपये की गिरावट के साथ 70,182 रुपये के भाव पर खुलकर 429 रुपये की गिरावट के साथ 70,050 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती रही। कॉमेक्स पर सोना 2,044.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,049.40 डॉलर था।

1.2 अरब डॉलर की किस्त पाने के लिए आईएमएफ की शर्तें पूरी कीं, पाकिस्तानी अधिकारियों का दावा

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान ने उर्जा क्षेत्र में यथास्थिति बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की शर्तों को पूरा कर लिया है। जिसके परिणामस्वरूप 1.2 अरब डॉलर (यूएसडी) की अगली ऋण किस्त हासिल करने में मदद मिल सकती है। वैश्विक ऋणदाता के समीक्षा मिशन के इस्लामाबाद दौरे से पहले अधिकारियों ने यह बात कही।

खबर के मुताबिक, उर्जा मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने 385 अरब रुपये से कम के चक्रीय (सर्कुलर) ऋण के प्रवाह को रोकने, बिजली कीमतों में समय पर बढ़ोतरी करने से संबंधित दिसंबर के अंत तक के लक्ष्यों को पूरा कर लिया है। आईएमएफ तीन अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की समीक्षा के तहत ऋण वार्ता के दौरान इन लक्ष्यों के क्रिनान्वयन की समीक्षा करेगा। आईएमएफ का समीक्षा मिशन इस महीने एक अंत या अगले महीने की शुरुआत में इस्लामाबाद पहुंच सकता है। बशर्ते संघीय और प्रांतीय स्तर पर सरकारों के गठन का काम पहले पूरा हो जाए।

अखबार ने सूत्रों के हवाले से कहा कि दिसंबर के अंत तक चक्रीय कर्ज के प्रवाह को 385 अरब रुपये (पीकेआर) तक सीमित करने की शर्त के विपरीत वृद्धि 378 अरब रुपये (पीकेआर) रुपये थी। पाकिस्तान ने वैश्विक ऋणदाता से वादा किया है कि वह इस वित्त वर्ष के अंत तक जून 2023 के चक्रीय ऋण को 2.31 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये के स्तर पर रोक देगा।

हाल ही में आईएमएफ के एक शीर्ष अधिकारी ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मांग पर चुप्पी साधते हुए कहा था कि वह नई सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। इमरान खान ने आईएमएफ से मांग करते हुए कहा था कि उसे नकदी संकट से जूझ रहे देश के लिए कोई नया कर्ज मंजूर करने से पहले चुनाव नतीजों का ऑडिट कराना चाहिए।

पाकिस्तान आईएमएफ पर बहुत ज्यादा निर्भर है। वह अभी तीन अरब डॉलर का एक अल्पकालिक समझौता लागू कर रहा है। वैश्विक ऋणदाता पहले ही कर्ज की दो किस्तें दे चुका है और 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर की अंतिम किस्त मार्च के अंत या अप्रैल के शुरुआत में मिलने की उम्मीद है।

खाद्य सुरक्षा के लिए अनाज भंडार मुद्दे का हो स्थायी समाधान; डब्ल्यूटीओ सदस्यों से जी33 देशों की अपील

नई दिल्ली । जी33 देशों के समूह ने कृषि व्यापार वार्ता में प्रगति की कमी पर गंभीर चिंता व्यक्त की। समूह ने डब्ल्यूटीओ सदस्यों से खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए अनाज के सार्वजनिक भंडारण के मुद्दे के स्थायी समाधान पर काम करने का आग्रह किया। दरअसल, जी33 समूह में 47 विकासशील और अल्प विकसित देश शामिल हैं। एक संयुक्त बयान में, जी33 समूह ने यह भी कहा कि प्रमुख आयात वृद्धि या अचानक मूल्य गिरावट के खिलाफ एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में विशेष सुरक्षा तंत्र (एसएसएम) का उपयोग करना विकासशील देश का अधिकार है। समूह के मुताबिक सदस्यों को सहमत होना चाहिए और 14वें डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी) में एसएसएम पर निर्णय लेना चाहिए। हालांकि, सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग के मुद्दे पर जी33 के बयान में अबू धाबी में शुरू होने वाले 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में स्थायी समाधान की मांग की गई है। बता दें कि एमसी विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। 13वें डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में कृषि व्यापार वार्ता पर जी-33 मंत्रिस्तरीय वक्तव्य में कहा गया, जी-33 के सह-प्रायोजक सदस्य, सभी (डब्ल्यूटीओ) सदस्यों से इस मुद्दे (सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग) पर सहमति बनाने और स्थायी समाधान अपनाने के लिए सभी ठोस प्रयास करने का आग्रह करते हैं। जी33 सदस्यों का एक विशाल बहुमत विकासशील देशों के लिए खाद्य सुरक्षा उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग के महत्वपूर्ण महत्व को पहचानता है, जिससे उनकी खाद्य और आजीविका सुरक्षा के साथ-साथ कम आय या संसाधन-गरीब उत्पादकों का समर्थन करने सहित ग्रामीण विकास अनिवार्यता को पूरा किया जा सके। सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग (पीएसएच) कार्यक्रम एक नीति उपकरण है, जिसके तहत सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों से चावल और गेहूं जैसी फसलें खरीदती है और गरीबों को खाद्यान्न का भंडारण और वितरण करती है।

वेतन पर टीडीएस फिक्स नहीं, ऐसे कटता है टैक्स, पुरानी कर व्यवस्था में बदलाव के संकेत

नई दिल्ली ।
कर्मचारियों के वेतन पर हर कंपनी टीडीएस काटती है। हालांकि, टीडीएस की दर निश्चित नहीं होती है। इस कारण नियोक्ता कर्मचारी के वेतन पर टैक्स की औसत दर पर टीडीएस काटता है। कर्मचारियों की गाढ़ी कमाईमें से कटने वाले इस टैक्स का गणित बताती अजीत सिंह की रिपोर्ट-

वेतन पर टीडीएस फिक्स नहीं, ऐसे कटता है टैक्स

टैक्स डिडक्शन एट सोर्स (टीडीएस) की गणना कर्मचारी की अनुमानित शुद्ध कर देनदारी पर निर्भर करती है। इसमें कर्मचारी की ओर से चुनी गई टैक्स व्यवस्था, कर मुक्त आय, खर्चे और कर बचत निवेश पर कटौती जैसे विभिन्न कारकों पर भी विचार किया जाता है। इसके लिए कंपनियां वित्त वर्ष की शुरुआत में कर्मचारियों के खर्चों और निवेश का स्पष्टीकरण कराती हैं, जो कर कटौती या छूट के लिए पात्र होते हैं। कर्मचारियों की जानकारी के आधार पर कंपनियां वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही तक हर महीने औसत टीडीएस काटती हैं। औसत टीडीएस का मतलब है कि एक बार शुद्ध कर योग्य आय का अनुमान लगने के बाद, कुल टैक्स देनदारी का अनुमान लगाया जाएगा और शुद्ध वेतन से कटौती की जाएगी। फिर कुल कर राशि को 12 महीनों से विभाजित किया जाएगा। जो आंकड़ा आएगा, वह मासिक वेतन से टीडीएस के रूप में कटेगा।

बदल सकती है टीडीएस की दर

टीडीएस कटौती की दर चुनी गईकर व्यवस्था और कर्मचारी की दी हुई जानकारी पर आधारित है, इसलिए कुछ परिस्थितियों में कोई बदलाव होने पर इसमें संशोधन किया जा सकता है। इसमें कर्मचारी की ओर से वर्ष भर में टैक्स बचत निवेश और वित्त वर्ष की शुरुआत में घोषित किए निवेश में अंतर हो तो टीडीएस बदल सकता है। कर्मचारी को मिले वेतन वृद्धि या बोनस जो कुल मुआवजे का हिस्सा नहीं बन रहा था या कर्मचारी के वेतन ढांचे में संशोधन जैसे कि उसे दिए जाने वाले भत्ते में परिवर्तन या फिर वित्त वर्ष के बीच में कर्मचारी की नौकरी बदल जाने से टीडीएस दर को संशोधित किया जा सकता है। यदि किसी कर्मचारी को कई स्रोतों से आय होती है, तो यह टीडीएस कटौती को प्रभावित कर सकता है।

भोजन पर कम, कपड़ों पर ज्यादा खर्च कर रहे भारतीय, एनएसओ के सर्वेक्षण पर बोले नीति आयोग के सीईओ

नई दिल्ली ।
देश में लोग भोजन पर कम और कपड़े, मनोरंजन व अन्य पर ज्यादा पैसे खर्च कर रहे हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी मंत्रालय (एनएसओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय परिवारों का घरेलू खर्च पिछले 10 वर्षों में दोगुना से ज्यादा हो गया है। अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के बीच किए गए सर्वेक्षण के आंकड़ों में यह बात कही गई है। हालांकि, सरकार ने 2017-18 के सर्वे का नतीजा आंकड़ों में गड़बड़ी की बात कहकर जारी नहीं किया था। आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में शहरी क्षेत्रों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग खर्च (एमपीसीई) बढ़कर अनुमानित 6,459 रुपये हो गया। 2011-12 में यह 2,630 रुपये था। ग्रामीण भारत में खर्च 1,430 रुपये से बढ़कर अनुमानित 3,773 रुपये हो गया है। भारतीय परिवार खाद्य पदार्थों पर प्रतिशत के रूप में कम खर्च कर रहे हैं। कपड़े, टीवी और मनोरंजन जैसे माध्यमों पर ज्यादा खर्च कर रहे है। यह आंकड़ा कुल 2,61,746 घरों के सर्वे से जुटाया गया है। इसमें 1,55,014 घर गांवों के और 1,06,732 घर शहरी इलाकों के हैं। गांवों में खाने-पीने पर प्रति व्यक्ति मासिक खर्च 1,750 और शहरों में 2,530 रुपये रहा। गांवों में दूध और इससे बनी चीजों पर प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 314 रुपये और अनाज पर 185 रुपये रहा। शहरों में इन पर खर्च 466 और 235 रुपये रहा, लेकिन पेय और प्रोसेस्ड सामग्री पर खर्च इनसे भी ज्यादा हो गया है। गांवों में इन पर महीने का प्रति व्यक्ति औसत खर्च 363 रुपये और शहरों में 687 रुपये है।

गांवों में मासिक खपत में भोजन का हिस्सा घटकर 46.4 फीसदी रहा है। 2011-12 में यह 53 फीसदी था। गैर-खाद्य खपत 47 फीसदी से बढ़कर 53.6 फीसदी हो गई। शहरी क्षेत्रों में भोजन की हिस्सेदारी 42.6 फीसदी से घटकर 39.2 फीसदी हो गई।

पीएम मोदी ने कपड़ा क्षेत्र को हरसंभव सहयोग का वादा किया, भारत टेक्स को किया संबोधित

नई दिल्ली ।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कपड़ा क्षेत्र को पूरा सहयोग देने का वादा किया और साथ ही इस बात पर बल दिया कि यह क्षेत्र 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत 2047 में आजादी के सौ साल पूरे करेगा।

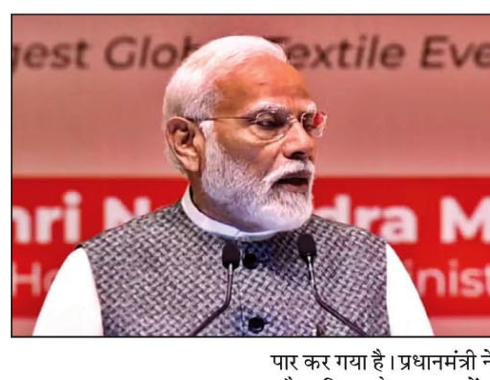

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'भारत टेक्स 2024' का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में कपड़ा क्षेत्र के योगदान को और बढ़ाने के लिए सरकार बहुत व्यापक स्तर पर काम कर रही है। 'भारत टेक्स' देश में आयोजित सबसे बड़े वैश्विक कपड़ा कार्यक्रमों में से एक है। मोदी ने कहा, हमने अगले 25 साल में भारत को विकसित राष्ट्र में बदलने का संकल्प लिया है। विकसित भारत के चार महत्वपूर्ण स्तंभ- गरीब, युवा, किसान और महिलाएं हैं। विशेष रूप से, भारत का कपड़ा क्षेत्र इन सभी स्तंभों से जुड़ा हुआ है। इसलिए 'भारत टेक्स' जैसा आयोजन हम सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत के कपड़ा बाजार का मूल्यांकन सात लाख करोड़ रुपये से भी कम था जबकि अब यह 12 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल धागा, कपड़े और परिधान के उत्पादन में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार का कपड़ा क्षेत्र में गुणवत्ता नियंत्रण पर पूरा ध्यान है। मोदी ने कहा, हमारी सरकार आपके सभी प्रयासों में आपका सहयोग करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। 'भारत टेक्स 2024' में कपड़ा छात्र, बुनकर, कारीगर और कपड़ा श्रमिकों के अलावा नीति निर्माता और वैश्विक सीईओ, 3,500 से अधिक प्रदर्शक, 100 से अधिक देशों के 3,000 से अधिक खरीदार और 40,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुकों के भाग लेने की उम्मीद है।

पेटीएम के शेयरों में भी तेजी, कंपनी के स्टॉक में फिर से लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक ने 31 जनवरी 2024 को पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर एक्शन लिया है। इस एक्शन के बाद पेटीएम के शेयरों में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पिछले हफ्ते से पेटीएम के स्टॉक में अपर सर्किट लग रहा है। बता दें कि आरबीआई ने एनपीसीआई को हैंडल का उपयोग करने वाले पेटीएम पेमेंट्स बैंक के ग्राहकों को अन्य बैंकों में स्थानांतरित करने की संभावना की जांच करने के लिए कहा है। इसके बाद पेटीएम के मालिक वन97 कम्युनिकेशंस के शेयरों में 5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। आज फिनटेक कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 5 फीसदी चढ़कर 428.10 रुपये और 427.95 रुपये पर पहुंच गया। यह इसकी ऊपरी सर्किट सीमा भी है। पिछले हफ्ते वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर में 5 फीसदी की तेजी आई और बीएसई पर ऊपरी सर्किट सीमा में बंद हुआ था। बता दें कि कारोबार में बीएसई सेंसेक्स बेंचमार्क 288.71 अंक या 0.39 प्रतिशत लुढ़क गया, जबकि एनएसई निफ्टी 71.55 अंक गिरकर 22,141.15 पर आ गया। आरबीआई का निर्देश नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया से यूपीआई हैंडल का उपयोग करके पेटीएम पेमेंट्स बैंक के ग्राहकों को 4-5 अन्य बैंकों में स्थानांतरित करने की संभावना की जांच करने के लिए कहा। केंद्रीय बैंक ने ग्राहकों, वॉलेट धारकों और मर्चेंट के लाभ के लिए अतिरिक्त कदम उठाए हैं। बता दें कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सर्विस 15 मार्च, 2024 के बाद बंद हो जाएगी। पहले इसकी समय सीमा 29 फरवरी 2024 थी। पीपीबीएल 15 मार्च, 2024 के बाद अपने ग्राहक खातों और वॉलेट में और क्रेडिट स्वीकार नहीं कर सकता है। एनपीसीआई को आरबीआई द्वारा नियमों के अनुसार, पेटीएम ऐप के निरंतर यूपीआई संचालन के लिए यूपीआई चैनल के लिए थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रदाता बनने के लिए वन97 कम्युनिकेशन लिमिटेड (ओसीएल) के अनुरोध की जांच करने की सलाह दी गई है। रिजर्व बैंक की कार्रवाई के बाद वन97 कम्युनिकेशंस द्वारा गठित एक सलाहकार समिति का गठन हुआ है। सेबी के पूर्व अध्यक्ष एम दामोदरन ने कहा 31 जनवरी को, आरबीआई ने (पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड) को 29 फरवरी के बाद किसी भी ग्राहक खाते, प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट्स, वॉलेट, और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड में आगे जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप रोकने के लिए कहा। केंद्रीय बैंक ने समयसीमा 15 मार्च तक बढ़ा दी है।

पेटीएम ने 9 फरवरी को दामोदरन की अध्यक्षता में एक समूह सलाहकार समिति की स्थापना की घोषणा की। अनुपालन को मजबूत करने और नियामक मामलों पर कंपनी को सलाह देने के लिए समिति की स्थापना की गई थी। वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (ओसीएल) के पास पीपीबीएल में 49 फीसदी हिस्सेदारी है।

ट्रूकॉलर ने भारत में आईओएस, एंड्रॉयड यूजर्स के लिए एआई-संचालित कॉल रिकॉर्डिंग लॉन्च की

नई दिल्ली । प्रमुख कॉलर पहचान ऐप ट्रूकॉलर ने भारत में आईओएस और एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म के लिए एआई-संचालित कॉल रिकॉर्डिंग सुविधा लॉन्च की।नया फीचर यूजर्स को सीधे ट्रूकॉलर ऐप के भीतर इनकमिंग और आउटगोइंग कॉल रिकॉर्ड करने की सुविधा प्रदान करेगा। एआई-संचालित कॉल रिकॉर्डिंग सुविधा कंपनी के प्रीमियम प्लान के एक हिस्से के रूप में उपलब्ध होगी, जिसकी शुरुआत 75 रुपये प्रति माह या 529 रुपये प्रति वर्ष से होगी। ट्रूकॉलर के प्रबंध निदेशक और मुख्य उत्पाद अधिकारी ऋषित झुनझुनवाला ने एक बयान में कहा, हम अपने ग्राहकों को उनकी बातचीत के प्रबंधन में अधिक नियंत्रण और लचीलापन देना चाहते हैं। यह व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों उद्देश्यों के लिए एक बहुत ही मूल्यवान उपकरण है। यूजर्स इस सुविधा का उपयोग करके किसी भी कॉलर की सभी कॉल को अंग्रेजी और हिंदी में रिकॉर्ड और ट्रांसक्राइब कर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि यह सेवा पहले अमेरिका में लॉन्च की गई थी और अतिरिक्त बाजार और भाषाएं भी लॉन्च की जाएगी। आईफोन यूजर्स के लिए कॉल का उत्तर देने या करने के बाद, ट्रूकॉलर ऐप खोलें, सर्च टैब पर जाएं और कॉल रिकॉर्ड करें पर टैप करें।

राष्ट्रीय बेसबाल के पुरुष वर्ग में बिहार विजेता, महिला में ओडिशा ने जीता खिताब

पटना।
पाटलिपुत्र खेल परिसर में संपन्न पांचवीं जूनियर राष्ट्रीय बेसबाल चैंपियनिशिप के पुरुष वर्ग में बिहार और महिला में ओडिशा ने खिताब जीता। पुरुषों में छत्तीसगढ़ और महिला में बिहार को दूसरा स्थान मिला। 41वीं जूनियर नेशनल साफ्टबाल चैंपियनशिप के पुरुष वर्ग फाइनल में राज्यस्थान ने छत्तीसगढ़ को 5-3 से हराकर खिताब जीता। तीसरा स्थान आंध्र प्रदेश ने केरल को 2-1 हराकर हासिल किया। बालिका में तेलंगाना ने केरल को 10-9 से हरा खिताब पर कब्जा जमाया। छत्तीसगढ़ ने महाराष्ट्र को 5-4 से हरा कांस्य जीता। मुख्य अतिथि डॉ. सहजानंद प्रसाद, डॉ. अजय कुमार व प्रोफेसर डॉ. अमरनाथ सिंह ने पुरस्कार वितरण किया। मौके पर बीबी झा, बीसीए के जीएम एडमिन नीरज सिंह, डॉ. राकेश प्रसाद, बिहार क्रिकेट लीग के चेयरमैन संजय कुमार और अन्य मौजूद रहे। मंच का संचालन श्वेता कुमारी ने, धन्यवाद व्यक्त महासिचव प्राची शर्मा ने किया। मौके पर अजय नारायण शर्मा, जगन्नाथ सिंह, संयुक्त सचिव रूपक कुमार, मधु शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

वॉलीबॉल में भागलपुर ने रोहतास को पछाड़ा

रन्नूचक-मकंदपुर हाईस्कूल में बिहार राज्य सीनियर वालीबाल चैंपियनशिप का रंगारंग आगाज हुआ चैंपियनशिप 25 से 28 फरवरी तक चलेगी। पुरुष वर्ग का उद्घाटन मैच भागलपुर और रोहतास के बीच खेला गया। जिसमें भागलपुर ने 25-13 व 25-16 के लगातार दो सेटों से रोहतास को पराजित कर दिया।

दूसरे मैच में पश्चिमी चंपारण ने खगड़िया को 25-22 व 25-23, तीसरे मैच में पूर्वी चंपारण ने कैमूर को दो सेट, चौथे मैच में जमुई ने मधुबनी, पांचवें मैच में सारण ने सुपौल को दो सेट के अंतर से हरा दिया।

पाक क्रिकेटर सरफराज अहमद के सिर पर लगी गेंद

लाहौर । पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) क्रिकेट टूर्नामेंट में चोटिल हुए हैं। क्वेटा ग्लेडिएटर्स की ओर से खेल रहे सरफराज इस मैच में बिना हेल्मेट के फिल्डिंग कर रहे थे। तभी मोहम्मद वसीम जूनियर द्वारा कैच लेकर फेंकी गई गेंद को वह पकड़ नहीं पाये और ये गेंद सीधे उनके सिर पर लग गयी। चोट गंभीर होने के कारण वह मैदान में ही गिर गये इसके बाद उन्हें किसी प्रकार से मैदान के बाहर ले जाया गया। इसके बाद वह मैदान पर नहीं उतर पाये इस कारण सज्जाद अली को कन्कशन सब्सट्यूट के तौर पर उनकी जगह उतारा गया। गौरतलब है कि मुल्तान सुल्तान्स की पारी के दौरान जब अंतिम ओवर चल रहा था तभी चौथी गेंद पर 72 रन बनाकर खेल रहे रीजा हेंड्रिक्स पेवेलियन लौटे।

न्यूज ब्रीफ

डीआरएस विवाद को खत्म करने के लिए माइकल वॉन ने बताया अनोखा तरीका

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज के दौरान डीआरएस को लेकर हर रोज एक नई बहस देखने को मिलती है। चौथे टेस्ट मैच में जो रूट के एलबीडब्ल्यू आउट पर काफी चर्चा हो रही है। इस बीच माइकल वॉन ने इस विवाद को खत्म करने के लिए एक तरीका बताया है। भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के रिव्यू पर आउट होने पर रूट काफी नाराज दिखे। अश्विन की गेंद बल्लेबाज के पैड पर लगी और अंपायर अपील से सहमत नहीं हुए और नॉट आउट दे दिया। लेकिन भारत ने थर्ड अंपायार की तरफ जाना सही समझा। डीआरएस में मैदानी अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा और रूट 11 रन पर आउट हो गए। वॉन ने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि कोई धोखा दे रहा है। मैं बस जवाब देने की कोशिश कर रहा हूं कि जब कोई निर्णय लिया जाता है और हम सभी उससे असहमत होते हैं। अगर हॉक-आई पर मौजूद व्यक्ति को फिल्माया जाता है तो इससे विवाद खत्म हो सकता है। श्रृंखला की शुरुआत में कप्तान बेन स्टोक्स ने राजकोट में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 432 रन की हार में जैक क्रॉली को आउट करना हैरान करने वाला पाया, क्योंकि तकनीक से पता चला कि गेंद स्टंप्स पर नहीं लग रही थी, फिर भी मैदान पर लिया गया फैसला कायम रहा और डीआरएस दिया गया। यह अंपायर की कॉल के रूप में है। इसके बाद इंग्लिश कप्तान ने डीआरएस में अंपायर्स कॉल नियमों को खत्म करने की बात रखी। वॉन ने कहा, सामान्य तौर पर खेल के लिए, देखने वाले लोगों के लिए, हमें यह देखना होगा कि संचालन कौन कर रहा है, क्योंकि तकनीक का संचालन करने वाला व्यक्ति अंपायरों से अधिक महत्वपूर्ण है।

सैफ अंडर-16 महिला चैम्पियनशिप के लिए टीम का ऐलान

नई दिल्ली। मुख्य कोच बिबी थॉमस ने 1 से 10 मार्च तक नेपाल के ललितपुर में होने वाली आगामी सैफ अंडर महिला चैंपियनशिप के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की। चयन ट्रायल में चुने जाने के बाद संभावित खिलाड़ी गोवा में प्रशिक्षण ले रहे थे, इसमें से अंतिम 23 खिलाड़ियों का चयन किया गया। टीम नेपाल के लिए रवाना होगी। यह पहली बार है जब टूर्नामेंट अंडर16 के लिए आयोजित किया जा रहा है। भारत ने 2018 और 2019 में दो बार सैफ अंडर15 महिला चैम्पियनशिप जीती है। दोनों मौकों पर टीम ने फाइनल में बांग्लादेश को हराया है। सैफ अंडर16 महिला चैम्पियनशिप के लिए भारत की 23 सदस्यीय टीमः गोलकीपरः कोन्जेंगबाम तम्फसाना देवी, मुन्नी, सूरजमुनि कुमारी। डिफेंडरः अमृता घोष, बोनिफिला शुल्लई, दिव्यानी लिंडा, एलिज़ाबेथ लाकड़ा, गौरी, रियाना लिज़ जैकब, रूपाश्री मुंडा, सारंगथेम अलीना देवी।मिडफील्डरः अनीता डुंगडुंग, अनुष्का कुमारी, अनविता रघुरामन, एच याशिका, लोंगजाम नीरा चानू, ऋतु, श्वेता रानी, थांडा मोनी। फॉरवर्डः गुरलीन कौर, गुरनाज़ कौर, नेहा साजी, पर्ल फर्नांडिस।

इरफान पठान ने आकाश दीप और यशस्वी को सराहा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की जमकर सराहना की है। आकाशदीप में रांची में अपने पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के तीन खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा था। इरफान ने कहा कि एक तेज गेंदबाज के लिए भारत में पदार्पण करना बहुत कठिन होता है पर जिस प्रकार से आकाशदीप ने गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए उससे पता चलत है कि उनका भविष्य काफी अच्छा है। का संकेत दिया। इरफान ने कहा, 'एक बल्लेबाज के रूप में आप चाहते हैं कि आपका पदार्पण भारत में हो पर एक तेज गेंदबाज के रूप में आप इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका या न्यूजीलैंड की तेज पिचों में पदार्पण करने का सपना देखते हैं। उन्होंने कहा, 'मैच के पहले सत्र में उसने जिस तरह से आकाशदीप ने गेंदबाजी की और तीन विकेट लिए वह सराहनीय है। हम उम्मीद करते हैं कि यहां से इस युवा का करियर तेजी से ऊपर जाएगा। इसके साथ ही इरफान ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि किसी टेस्ट सीरीज में 600 या इससे अधिक रन बनाना आसान नहीं होता। आने वाले समय में वह और बेहतर बल्लेबाज के तौर पर उभरेंगे।

भारत ने चौथे दिन 5 विकेट से जीता रांची टेस्ट : सीरीज पर कब्जा ; रोहित और गिल ने जमाए अर्धशतक

नई दिल्ली।
भारत ने रांची टेस्ट में इंग्लैंड को 5 विकेट से हरा दिया। चौथे दिन टीम इंडिया ने 192 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। यानी कि एक मैच रहते 5 मैचों की सीरीज जीत ली। आखिरी मुकाबला 7 मार्च से धर्मशाला के मैदान पर खेला जाएगा।

टीम इंडिया ने 40/0 से दूसरी पारी की शुरुआत की। यहां टीम को जीत के लिए 152 रन की जरूरत थी। भारत के कप्तान रोहित शर्मा (55 रन) और शुभमन गिल (नाबाद 52 रन) ने अर्धशतक जमाए, जबकि ध्रुव जुरेल ने नाबाद 39 रन की पारी खेली। गिल और जुरेल के बीच नाबाद 72 रन की पार्टनरशिप हुई। इंग्लैंड से शोएब बशीर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। टॉम हार्टले और जो रूट को 1-1 विकेट मिला। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। पहली पारी में इंग्लिश टीम ने 353 और टीम इंडिया ने 307 रन बनाए। इंग्लैंड टीम दूसरी पारी 145 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की पहली पारी के 46 रन की लीड के आधार पर भारत को 192 रन का टारगेट मिला था।

जीत से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत नंबर-2 पर बरकरार - इस जीत से भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर बरकरार है। टीम के पास 64.58 परसेंटेज पॉइंट्स हैं, जबकि न्यूजीलैंड 75.00 परसेंटेज पॉइंट्स के साथ टॉप पर है।

भारत ने मौजूदा सीजन में अब तक 8 मैच खेले हैं, इनमें टीम ने 5 जीत हासिल की है, जबकि 2 में पराजय का सामना करना पड़ा है। एक मुकाबला ड्रॉ रहा है।

गिल और जुरेल के बीच नाबाद 72 रन की पार्टनरशिप - टीम इंडिया ने 40/0 के स्कोर से चौथे दिन अपनी दूसरी इनिंग आगे बढ़ाई। रोहित शर्मा ने 24 और यशस्वी जायसवाल ने 16 रन रन के निजी स्कोर से अपनी इनिंग आगे बढ़ाई। भारत की तरफ से कप्तान रोहित शर्मा (55) और शुभमन गिल (52*) ने दूसरी इनिंग में अर्धशतक लगाए। उनके अलावा ध्रुव जुरेल ने नाबाद 39 रन की पारी खेली। गिल और जुरेल के बीच नाबाद 72 रन की पार्टनरशिप हुई। जुरेल ने पहली पारी में 90 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

चौथे दिन का पहला विकेट यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा। वे 37 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित शर्मा 55 रन बनाकर आउट हुए। रोहित और ओपनर यशस्वी के बीच 84 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई। रजत पाटीदार और सरफराज खान खाता भी नहीं खेल सके। रवींद्र जडेजा 4 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की तरफ से शोएब बशीर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। टॉम हार्टले और जो रूट को 1-1 विकेट मिला।

पहले सेशन में भारत ने तीन विकेट गंवाए - रांची टेस्ट के चौथे दिन के पहले सेशन का खेल खत्म हो चुका है। लंच तक भारत की तरफ से शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा नाबाद लौटे। टीम ने 40/0 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। पहला सेशन खत्म होने तक टीम ने तीन विकेट के खोकर 118 रन जोड़े। इस सेशन में यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा और रजत पाटीदार का विकेट गिरा। वहीं दूसरा सेशन खत्म होने से पहले ही टीम इंडिया ने मैच जीत लिया।

पहले दिन जो रूट का शतक - रांची टेस्ट का पहला दिन जो रूट की वापसी के नाम रहा। उन्होंने 13 पारियों बाद टेस्ट में शतक लगाया। वह 106 रन बनाकर नॉटआउट रहे। रूट के दम पर इंग्लैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 7 विकेट पर 302 रन बना लिए।

दूसरे दिन भारत ने 7 विकेट गंवाए - रांची टेस्ट का दूसरा दिन इंग्लैंड के नाम रहा। इंग्लिश टीम के खिलाफ चौथे मुकाबले की पहली पारी में भारत 134 रन से पीछे है और उसके सात विकेट भी गिर चुके हैं। टीम इंडिया ने स्टंप्स तक पहली पारी में 7 विकेट पर 219 रन बना लिए हैं।

तीसरा दिन भारत के नाम रहा - भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला रांची में खेला जा रहा है। रांची टेस्ट का तीसरा दिन भारत के नाम रहा। दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 40 रन बना लिए हैं। टीम मैच और सीरीज जीत से 152 रन दूर है। कप्तान रोहित शर्मा 24 और यशस्वी जायसवाल 16 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप।

इंग्लैंडः बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉले, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जॉनी बेयरस्टो, बेन फोक्स (विकेटकीपर), टॉम हार्टले, ओली रॉबिनसन, जेम्स एंडरसन और शोएब बशीर।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड अगले माह सुरक्षा प्रतिनिधिमण्डल पाक भेजेगा

ऑकलैंड।
न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कहा है कि पाकिस्तान में होने वाली आगामी टी20 सीरीज से पहले वह अगले माह मार्च में एक सुरक्षा प्रतिनिधिमण्डल पाक भेजेगा जिससे की हालातों का पता चल सकेगा। न्यूजीलैंड को अप्रैल में पाक का दौरान करना है और पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अनुसार इस प्रतिनिधिमण्डल में निजी सुरक्षा विशेषज्ञ रेग डिकेसन और न्यूजीलैंड खिलाड़ी संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी हीथ मिल्स भी शामिल रहेंगे। हाल के वर्षों में जब शीर्ष स्तरीय टीमों के पाकिस्तान दौरों से पहले डिकेसन ही आईसीसी और अन्य क्रिकेट बोर्डों के नियमित सुरक्षा सलाहकार रहे हैं और उन्हें पाक के हालातों की अच्छी समझ है। पाक क्रिकेट बोर्ड ने साल 2022-23 में ऑस्ट्रेलियाई टीम की एक बार जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की दो-दो बार मेजबानी की थी। पीसीब ने कहा, 'प्रतिनिधिमंडल मार्च की शुरुआत में लाहौर और रावलपिंडी का दौरा करेगा जहां सीरीज के मैच खेले जाएंगे। गौरतलब है कि न्यूजीलैंड टीम का ये दौरा आईसीसी भविष्य दौरा कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है और यह उन पांच टी20 मैचों के बदले में हैं जो पाकिस्तान ने इस साल जनवरी में न्यूजीलैंड में खेले थे। सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल मैच स्थलों और टीम होटलों को भी देखेगा। इसके अलावा मेहमान टीम के लिए सुरक्षा योजनाओं की निगरानी के लिए सरकार और सुरक्षा अधिकारियों से भी बात करेगा। गौरतल है कि सितंबर 2021 में न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम सुरक्षा खतरे के कारण इस सीरीज में कोई भी मुकाबला खेले बिना ही स्वदेश लौट गई थी। इसी को देखते हुए कीवी बोर्ड कोई खतरा मौल नहीं लेना चाहता है।

आईपीएल से पहले हार्दिक पांड्या ने चार महीने बाद की मैदान पर वापसी

मुंबई।
भारत के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या मुंबई में शुरू होने वाले डीवाई पाटिल टी20 कप के जरिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं।

हार्दिक पांड्या रिलायंस 1 टीम की कप्तानी करेंगे, जो भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के खिलाफ प्रतियोगिता के शुरुआती मैच के माध्यम से अपना अभियान शुरू करेगी।

19 अक्टूबर को पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ विश्व कप 2023 मैच में भारत के लीग मैच के दौरान बाएं टखने में चोट लगने के बाद से पांड्या प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर थे।

हार्दिक को लंबे समय तक रिकवरी प्लस रिहैब पर रखा गया और अब वो एक बार फिर मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं।

उन्हें गजरात टाइटन्स से मुंबई इंडियंस में शामिल कर लिया गया और वह 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2024 से पहले रोहित शर्मा की जगह लेते हुए टीम के कप्तान बन गए।

डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में पांड्या रिलायंस 1 टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, इसमें तिलक वर्मा, नेहल वढेरा, पीयूष चावला, आकाश मधवाल और विष्णु विनोद जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

ईशान किशन, जो व्यक्तिगत कारणों से पिछले साल भारत के दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौरे से हटने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। उनके भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद है।

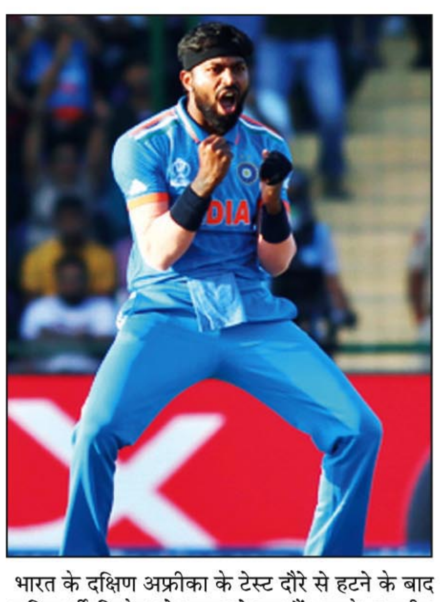

पहले अशोक गहलोत के हाथ से राजस्थान की सत्ता गई, अब बेटे वैभव गहतोल ने छोड़ा आरसीए अध्यक्ष का पद

जयपुर।
अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। ऐसे में अब सत्ता के साथ गहलोत परिवार राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) से भी बाहर हो गया है।उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी शेयर की और कहा, साल 2019 में मैंने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) का अध्यक्ष चुने जाने के बाद काम करना शुरू किया। मेरा उद्देश्य राजस्थान में क्रिकेट को बढ़ावा देना और अधिक से अधिक युवाओं को इस खेल से जोड़ना था।

उन्होंने लिखा, सीपी जोशी के बाद मुझे इस पद पर काम करने का मौका मिला। उन्होंने हमारे प्रोटेक्टर के रूप में कार्य किया और हमारा मार्गदर्शन किया। अपने पूरे कार्यकाल में मैंने क्रिकेट की बेहतरी और आरसीए का नाम ऊंचा करने का प्रयास किया, इसीलिए मुझे दूसरी बार आरसीए का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

उन्होंने आगे कहा, राजस्थान में सरकार बदलने के बाद आरसीए के खिलाफ बदनीयती से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गैर-न्यायिक तरीके से आरसीए कार्यालय पर जल्दबाजी में ताला लगा दिया गया। इसलिए राज्य के क्रिकेट और क्रिकेट खिलाड़ियों को इस स्थिति से बचाने के लिए मैं स्वेच्छा से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, अभी मुझे सूचना मिली है कि मेरे खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया है। इस संबंध में मुझे बस इतना कहना है कि आरसीए के किसी भी पदाधिकारी या सदस्य ने मुझसे चर्चा नहीं की और न ही किसी मुद्दे पर असहमति व्यक्त की, अन्यथा मैं पहले ही अपना इस्तीफा दे चुका होता। मेरे लिए राज्य के क्रिकेट और क्रिकेट खिलाड़ियों का भविष्य महत्वपूर्ण है। भविष्य में मैं राजस्थान के क्रिकेट खिलाड़ियों एवं क्रिकेट प्रेमियों के हितों के लिए सदैव उपलब्ध रहूंगा।

मुंबई इंडियंस की लगातार दूसरी जीत

डब्लूपीएल-2 के टॉप पर आए डिफेंडिंग चैंपियन; गुजरात को 5 विकेट से हराया; अमेलिया केर

बेंगलुरु।
डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने सीजन-2 में लगातार दूसरी जीत हासिल की है। मुंबई ने गुजरात जायंट्स को 5 विकेट से हराया। इस जीत के बाद मुंबई की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। टीम के पास 2 मैच के बाद 4 अंक हैं। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात जायंट्स ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 126 रन बनाए। जवाब में मुंबई ने 127 रन का टारगेट 18.1 ओवर में बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया है। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 41 बॉल पर नाबाद 46 रन की पारी खेली। अमेलिया केर ने 31 रन का योगदान दिया। उन्होंने 4 विकेट भी हासिल किए।

21 रन पर गंवा दिए थे ओपनर्स के विकेट

127 रन का टारगेट चेज करने उतरी मुंबई इंडियंस की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 21 रन पर ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। यास्तिका भाटिया और हेली मैथ्यूज 7-7 रन बनाकर आउट हुई। यहां से नेटली सीवर ब्रंट और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी टीम को रन चेज में बनाए रखा। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 24 बॉल पर 28 रन जोड़े। फिर कौर ने अमेलिया केर के साथ चौथे विकेट के लिए 50 बॉल पर 66 रन की पार्टनरशिप की। तनुजा टॉप स्कोरर, कप्तान मूनी ने बनाए 24 रन टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी गुजरात की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 3 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। यहां ओपनर वेदा कृष्णमूर्ती बिना खाता खोले पवेलियन लौट गई। हरलीन देओल (8 रन), फीब लिचफील्ड (7 रन) और दयानंद हेमलता (3 रन) भी बड़ी पारी नहीं खेल सकीं।

अश्विन ने कुंबले को पीछे छोड़ा

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। अब अश्विन ने दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले को एक रिकार्ड के मामले में पीछे छोड़ दिया है। अश्विन अब सबसे तेजी से टेस्ट में पांच विकेट लेने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। अश्विन ने अब तक भारत की ओर से 99 टेस्ट मैच खेलते हुए कुल 35 बार 5 विकेट लिए हैं। वहीं कुंबले ने 132 मैचों में 35 बार 5 विकेट लिए थे। इस प्रकार दोनों ही गेंदबाजों ने अब तक अपने करियर में 35-35 बार 5 विकेट लिए हैं। अब अश्विन के पास पांचवे और अंतिम मैच में कुंबले का रिकार्ड तोड़ने का मौका है। अश्विन और कुंबले से आगे अभी केवल तीन ही गेंदबाज हैं जिन्होंने इन दोनो से ज्यादा बार 5 विकेट लिए हैं। श्रीलंका के महान गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन पहले स्थान पर हैं। मुरलीधरन ने 133 टेस्ट मैच में कुल 67 बार 5 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न हैं जिन्होंने 145 टेस्ट में 37 बार 5 विकेट लिए हैं जबकि तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के रिचर्ड हार्डली हैं. जिन्होंने 86 टेस्ट में कुल 36 बार 5 विकेट लिए हैं। अश्विन ने रांची टेस्ट में एक विकेट लेते ही अपने 500 विकेट भी पूरे किये।

ज्यादा टीवी देखने वाले बच्चों को होता है डायबिटीज का खतरा !

नई दिल्ली। अगर आपके बच्चे 3 घंटे या इससे ज्यादा रोज टीवी देखते हैं या कम्प्यूटर, गेम कंसोल्स, टैबलेट व स्मार्टफोन पर समय बिता रहे हैं, तो यह उनकी सेहत के लिए अच्छी बात नहीं है. एक रिपोर्ट के अनुसार, इस तरह घंटों टीवी स्क्रीन के सामने बिताने से उनमें डायबिटीज पनप सकता है. एक शोध का निष्कर्ष बताता है कि बच्चों का इस तरह लगातार डिजिटल माध्यम की ओर झुकाव उनमें मोटेपन का कारण हो सकता है, और यह इंसुलिन रेजिस्टेंस के लिए भी जिम्मेदार हो सकता है. इंसुलिन पाचन-ग्रंथि के माध्यम से हार्मोन के जरिए ब्लड-ग्लूकोज के स्तर को बढ़ने से रोकता है. उसके इस काम में बाधा डायबिटीज उत्पन्न कर सकती है. शोधकर्ताओं की टीम ने चयापचयी (मेटाबॉलिक) और कार्डियोवैस्क्युलर (हृदयवाहिनी) से संबंधित जांच के लिए लंदन के बरमिंघम और लिसेस्टर के 200 प्राथमिक स्कूलों से 9-10 वर्ष के लगभग 4,500 बच्चों को प्रयोग के दायरे में लिया.

12 मेगापिक्सल कैमरे मोटो जी5 प्लस लॉन्च

मोटोरोला ने भारत में अपना मोटो जी5प्लस फोन लॉन्च कर दिया है। इसके 3 जीबी रैम और 16 जीबी इंटरनल मेमोरी वाले वेरिएंट की कीमत 14,599 रुपये है जबकि 4 जीबी रैम और 32 जीबी इंटरनल मेमोरी वाले वेरिएंट को 16,999 रुपये में खरीदा जा सकता है। यह फोन फ्लिपकार्ट से खरीदे जा सकता है। फोन के दोनों ही वेरिएंट 128 जीबी तक के माइक्रोएसडी कार्ड को सपोर्ट करेंगे। यह फोन 5.2 इंच के फुल एचडी (1080*1920 पिक्सल) डिस्प्ले से लैस है। इसमें 2 गीगाहर्ट्ज स्नैपड्रैगन 625 ऑक्टाकोर प्रोसेसर है। मोटो जी5 प्लस में 12 मेगापिक्सल का रियर कैमरा है जो डुअल ऑटोफोकस, 4के वीडियो रिकॉर्डिंग, अपर्चर एफ/1.7 और डुअल-एलईडी फ्लैश जैसे फीचर से लैस है। यह स्मार्टफोन मेटल बॉडी से लैस है।
बायबैक गारंटी के साथ मिलेगा : फ्लिपकार्ट ने इस स्मार्टफोन के लिए बायबैक गारंटी का ऐलान किया है, जिससे यूज़र को मोटो जी5 प्लस खरीदने के आठ महीने बाद 10,001 रुपये का निश्चित एक्सचेंज डिस्काउंट मिलेगा। मोटो जी5 प्लस में 3000 एमएएच की नॉन रिमूवेबल बैटरी है। बैटरी टर्बोपावर चार्जिंग सपोर्ट करती है जिसके 15 मिनट की चार्जिंग में 6 घंटे तक फोन को चालू रख सकती है।

स्वास्थ्य

ब्रोकोली खाने से होते हैं कई प्रकार के स्वास्थ्य

अगर गोभी खा-खा उकता चुके है, तो आपको ब्रोकोली की सब्जी खानी चाहिए। यह कई पोषक तत्वों से भरपूर है। यह कई बीमारियों से बचाने के साथ ब्रेस्ट कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर के भी खतरे को कम करती है। अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत और वजन कम करने की इच्छा रखने वाले लोगों के लिए ब्रोकोली अच्छा विकल्प है। ऐसा माना जाता है कि ब्रोकोली भूमध्यसागरीय उपज है। ब्रोकोली लैटिन शब्द ब्रैक्यिम से बना है जिसका मतलब है शाखा। इसमें शक्तिशाली फाइटोकेमिकल (प्लांट-केमिकल) पाए जाते हैं, जो कैंसर जैसी घातक बीमारी से लड़ने में मदद करते हैं।

ब्रोकोली में विटामिन्स और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है। रोग-विज्ञान अध्ययन में यह भी बात सामने आई है कि ब्रासिका परिवार की सब्जियां कैंसर से बचाने में मदद करती हैं, लेकिन तब जब उनमें ग्लूकोसिनोलेट्स की भरपूर मात्रा हो। सलफोरफेन और ग्लूकोसिनोलेट्स में कैंसर से लड़ने के प्राकृतिक तत्व मौजूद होते हैं। ब्रोकोली को काटने और चबाने के बाद यह ग्लूकोसिनोलेट्स हमारे शरीर में जाता है। और ये फाइटोन्यूट्रियंट्स में बदल जाते हैं जिसे आइसोथायोसाइनेट कहा जाता है। यह शरीर में ट्यूमर बनने से रोकने में मदद करता है।

एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि सल्फोरफेन ब्रेस्ट कैंसर की कोशिकाओं को बनने से रोकने में अहम् भूमिका निभाता है यहां तक कि ब्रेस्ट कैंसर के आखिरी चरण में भी। अध्ययन में यह भी बात सामने आई कि एच फाइलोरी बैक्टीरिया जिस कारण पौष्टिक अल्सर और संभवतः गैस्ट्रिक अल्सर होता है, उसमें ब्रोकोली सुरक्षात्मक भूमिका निभाता है। इसमें मौजूद ग्लूकोसिनोलेट्स हार्ट संबंधित बीमारी से भी लड़ने में मदद करती है।

ब्रोकोली के दूसरे फायदों की बात करें तो इसमें एंटीआक्सीडेंट जैसे विटामिन सी और बीटा कैरोटिन की भरपूर मात्रा पाई जाती है इसमें मौजूद लुटीन नामक कैरोटिनॉयड हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को दुरूस्त कर जटिल बीमारियों से लड़ने और बुढ़ापे को रोकने में मदद करता है। पोषक तत्वों से भरी इस सब्जी में आयरन और फॉलिक एसिड भी होता है। यह एनिमिया को दूर रखने में मदद करती है। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन-बी-कॉम्प्लेक्स जैसे विटामिन बी-टू (राइवोक्लैविन) त्वचा को स्वस्थ रखता है। विटामिन-बी-थ्री (लियासिन) और विटामिन बी-6 (पाइरीडॉक्सिन) हृदय को भी स्वस्थ रखते हैं। इसमें मौजूद पोटाशियम की उच्च मात्रा ब्लड प्रेशर की नियंत्रित करती है। विटामिन %के% की मौजूदगी खून के थक्के बनने से रोकने में सहायक होती है।

इस सब्जी में मौजूद फाइटोकेमिकल्स तभी असर करते हैं, जब इसे कच्चा या हल्का उबाल कर खाया जाए। फाइटोकेमिकल कच्ची ब्रोकोली में तीन गुना तक अधिक होता है, वनिस्पत पकी हुई ब्रोकोली के मुकाबले। ब्रोकोली को उबालने के बाद भी इसमें मौजूद विटामिन सी की मात्रा लगभग आधी हो जाती है। ब्रोकोली को अक्सर लोग उबाल कर, माइक्रोवेव में और फ्राई कर बनाते हैं। पर हाल ही में किए गए अध्ययन में यह साबित हुआ है कि स्टीमिंग को छोड़कर जितनी तरह से भी इसे पकाया जाता है, इसका पौष्टिक गुण खोता जाता है, यहां तक कि इसमें मौजूद क्रोलोरोफिल विटामिन सीऔर ग्लूकोसिनोलेट्स भी खत्म हो जाता है।

इन क्रीमों का इस्तेमाल गर्मियों में त्वचा के लिए करें

गर्मी ऋतु में त्वचा को धूप से बचाव करना अत्यंन्त आवश्यक होता है। गर्मियों में सनक्रीन सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाव करती हैं। लेकिन हमेशा त्वचा के अनुकूल सनक्रीन का ही इस्तेमाल करना चाहिए। 'ड्रीमवर्ल्ड स्किन एंड हेयर क्लीनिक' के त्वचा विशेषज्ञ रोहित बत्रा ने सनक्रीन खरीदने से पहले ध्यान रखने योग्य ये बातें बताई है।

अ गर आपकी त्वचा तैलीय है तो जेल या स्प्रे में उपलब्ध सनक्रीन खरीदकर लगाएं, इससे आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं दिखेगी और अगर आपकी त्वचा रूखी है तो लोशन या क्रीम के रूप में उपलब्ध सनक्रीन लगाएं, इससे आपकी त्वचा को सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से सुरक्षा मिलेगी।

ऐसा सनक्रीन लगाएं जो आपको नैचुरल लुक दे और साथ ही आपके चेहरे को चिपचिपा और पसीने से तर दिखने से रोके।

यूवीए और यूवीबी से सुरक्षा प्रदान करनोवले सनस्करीन का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि यूवीए किरणों के कारण झुर्रियां पड़ जाती है और चेहरा का रंग काला पड़ने लगता है वहीं यूवीबी किरणों से टैनिंग होने के साथ ही त्वचा संबंधी कैंसर होने की संभावना भी रहती है, इसलिए दोनों हानिकारक किरणों से सुरक्षा प्रदान करने वाले सनक्रीन को खरीद कर लगाना चाहिए। यूवीबी से सुरक्षा के लिए 'एसपीएफ' युक्त और यूवीए से सुरक्षा के लिए 'पीए' युक्त सनक्रीन खरीदें। तेज धूप में निकलने से पहले एसपीएफ-30 और पीए+या इससे ज्यादा एसपीएफ और पीए वाला सनक्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए।

सनब्लॉक क्रीम को अच्छी-खासी मात्रा में लेकर लगाएं क्योंकि एक या दो बूंद लगाने से यह प्रभावकारी असर नहीं दिखा सकेगा, इसे धूप में निकलने से कम से कम आधे घंटे पहले लगाएं। सनक्रीन में ऑक्सीबेनजोन जैसे हानिकारक केमिकल नहीं होने चाहिए क्योंकि इससे आपके हार्मोस पर असर पड़ सकता है और त्वचा में जलन, खुजली आदि की समस्या हो सकती है। सनसक्रीन खरीदते समय कब तक इसका इस्तेमाल किया जा सकता है यह जरूर जांच कर लें, इसके इस्तेमाल की तारीख जरूर देख लें क्योंकि एक्सपायर सनक्रीन से आपकी त्वचा पर विपरीत असर पड़ सकता है।

चेहरे की चमक बरकरार रखने, अपनायें ये टिप्स

फेस मास्क का करें इस्तेमाल : मॉइश्चुराइजिंग फेस मास्क अपने चेहरे पर लगायें और कुछ देर के लिए उसे छोड़ दें। ये आपके चेहरे के स्किन की चमक को बरकरार रखता है साथ ही आपके स्किन के रोमछिद्रों को खोलता है। ये स्किन के टेक्स्चर को भी इंप्रूव करता है। अपने स्किन के टाइप के अनुसार ही फेस मास्क का इस्तेमाल करें।

एंटीऑक्सीडेंट का करें इस्तेमाल : कहा जाता है कि आप जो खाते हैं आप उस जैसे ही हो जाते हैं। जो भी आप अपने शरीर में ग्रहण करते हैं वो आपके स्किन के द्वारा रिफ्लैक्ट होता है। अपने डाइट में समय समय पर बदलाव करते रहना ही आपके हेल्थ के लिए एक अच्छा तरीका है।

ज्यादा से ज्यादा पानी पीयें : आपने ये पहले भी हजारों बार सुन रखा होगा। ये एक हेल्दी त्वचा का सबसे बेहतर उपाय है। त्वचा की सांवली रंगत, रुखी त्वचा, थकान और डिहाइड्रेशन जैसे समस्याओं का एक ही कारगर उपाय है ज्यादा से ज्यादा पानी पीना।

ज्यादा नींद लें : फेस के लिए सबसे अच्छा ब्युटी टिप्स होता है एक अच्छी नींद लेना। जब आप पूरी नींद नहीं ले पाते हैं तो आपकी बॉडी पूरे दिन की थकान को रिकवर नहीं कर पाती है।

वास्तु

वास्तु के हिसाब से लगाएं घर में घड़ी

हर इंसान अपने घर में एक बड़ी घड़ी जरूर लगाता है। क्योंकि घड़ी जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हमे समय-समय की जानकारी देती है। लेकिन कभी-कभार क्या होता है कि लोग जाने-अनजाने में घड़ी को गलत जगह पर लगा देते हैं जिससे कि घर पर नाकारत्मक प्रभाव पड़ने लगते हैं। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे वास्तु टिप्स देंगे जिसे अपनाकर आप अपने घर में सही दिशा में घड़ी लगा सकते हैं।

1. दक्षिण दिशा में ना लगाएं घड़ी

दक्षिण में लगाई हुई घड़ी परिजनों की आयु और सौभाग्य के लिए अशुभ मानी जाती है। इसलिए बेहतर होगा कि दक्षिण दिशा में घड़ी आप भूलकर भी ना लगाएं।

2. खराब घड़ी ना रखें

कभी-कभार क्या होता है कि घड़ी चलते-चलते रूक जाती है या खराब हो जाती है। ऐसे में कुछ लोग घड़ी को ठीक करना ज्यादा जरूरी नहीं समझते। लेकिन हम आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खराब घड़ी परिवार की सफलता में बाधक बनती है।

3. मुख्य दीवार पर ना लगाएं

ज्यादातर लोग दरवाजे के उपर घड़ी टांगते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं दरवाजे पर घड़ी लगाना शुभ नहीं माना जाता। शास्त्रों के अनुसार दरवाजे के उपर घड़ी टांगने से घर में नकारत्मक उर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है।

4. शुभ होती है ऐसी घड़ी

घड़ियाँ आज कल बहुत प्रकार की चल रही हैं लेकिन हम खरीदते समय यह देखते नहीं की घड़ी किस प्रकार की लेनी चाहिए। शास्त्रों के अनुसार पेंडुलम वाली घड़ी सबसे शुभ मानी जाती है।

5. ये जगहें हैं बेहतर

घड़ी लगाने के लिए उत्तर, पूर्व तथा पश्चिम दिशा को उत्तम माना जाता है। इनमें से किसी एक दिशा में घड़ी लगाने से घर में शुभ समय आता है।

सेहत

लहसुन तो लहसुन, इसका छिलका भी नहीं कुछ कम !

1. लहसुन के छिलकों में पानी डालकर उबाल लें। इस पानी का गुनगुना करके हेयर वॉश करें। इससे हेयर फॉल की समस्या दूर होगी।

2. लहसुन के छिलको को चिकन स्टॉक बनाते समय उसमें डाल दें। इससे चिकन स्टॉक का टेस्ट बढ़ जाएगा।

3. लहसुन के छिकले को पीसकर पिंपल्स पर लगाएं। इसमें मौजूद एंटी बैक्टीरियल गुण पिंपल्स की समस्या को दूर करने में सहायक होते है।

4. पानी में लहसुन की छिलके डालकर उबाल लें। इसको छान कर पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्या तुरंत दूर होगी।

5. लहसुन के छिलकों को पानी में डालकर उबाल लें। इस पानी में अपने पैरों को डुबोकर रखें। इससे पैरों की सूजन दूर हो जाएगी।

6. इसके छिलकों पीसकर शहद मिला लें। इसे सुबह-शाम लेने से अस्थमा की प्रॉबल्म में राहत मिलेगी।

7. छिलकों की पेस्ट बना लें। इसमें नींबू का रस मिलाकर अपने बालों की जड़ों पर लगाएं। इससे जुओं की समस्या दूर होगी।

8. लहसुन के छिलकों को पैन में डालकर पका लें। फिर इसका पाउडर बना लें। इस पाउडर में ऑलिव ऑयल मिलाकर बालों पर लगाएं। इससे बालों का रंग नैचुरली काला होगा।

डिजिटल होती जिंदगी में सुरक्षित रहने के कुछ उपाय

आजकल डीजिटलाइज़ेशन को सरकार के साथ-साथ लोग भी बेहद बढ़ावा दे रहे हैं। सरकार डिजिटल पेमेंट को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं भी ला रही है। इसके अलावा नई-नई एप्स की घोषणाएं भी हो रही हैं चाहे वो डिजिटल पेमेंट एप्प हों या फिर अपने डॉक्यूमेंट्स ऑनलाइन स्टोर करने हों।

पर डीजिटलाइज़ेशन कभी-कभी काफी महंगा भी पड़ सकता है। दुनियाभर में ऐसे कई हैकर्स और ठग बैठे हैं जो ऑनलाइन आपकी जानकारी चुराकर आपको भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। साइबर ठग आपके क्रेडिट कार्ड या बैंक अकाउंट की जानकारी चुराने की ताक में बैठे रहते हैं। वे आपकी आइडेंटिटी, ईमेल अकाउंट्स, पर्सनल डीटेल्स और तस्वीरें आदि को चुरा सकते हैं। इस सब से बचना बेहद ज़रूरी है जो आपको बड़ी मुश्किल में डाल सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जिनको अपनाकर आप अपनी डिजिटल लाइफ को सेक्योर कर सकते हैं।

1. मेसेज को एनक्रिप्ट करें- एनक्रिप्शन में डेटा को कुछ इस तरह से बदला जाता है कि उसे बीच में कोई भी ऐक्सेस नहीं कर पाता है सिर्फ रिसीवर ही उसे डीकोड कर सकता है। उदाहरण के तौर पर वॉट्सऐप एंड-टु-एंड एनक्रिप्शन सपॉर्ट करता है। एनक्रिप्शन के ज़रिये दो यूजर्स के बीच क्या बात हो रही है, इसे बीच में कोई भी नहीं पढ़ सकता, जो कि काफी सेफ है।

2. पासवर्ड मैनजर की लें मदद- जब कभी भी आप अपना नया पासवर्ड सेट करने के लिए कॉम्बिनेशन बनाते हैं तो वह काफी असुविधाजनक और काफी परेशान कर देने वाला काम होता है। इस परेशानी से बचने के लिए आप पासवर्ड मैनेजर्स की मदद लेकर एक मास्टर पासवर्ड की मदद से कई सारे पासवर्ड्स को स्टोर कर सकते हैं। मास्टर पासवर्ड को बदलते रहने के लिए कैलंडर रिमाइंडर भी सेट किया जा सकता है।

3. अपने वेबकैम को रखें ढककर- ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब हैकर्स ने वेबकैम या माइक के जरिए जासूसी की है। इससे बचने का सबसे बेहतर तरीका है कि जब भी आप अपने वेबकैम का इस्तेमाल न कर रहे हों तो इसे ढककर रखें। इस तरह से हैकर्स उस कैमरे को हैक करके आपके ऊपर नजर नहीं रख पाएंगे। माइक को भी ऑफ करने में ही भलाई है।

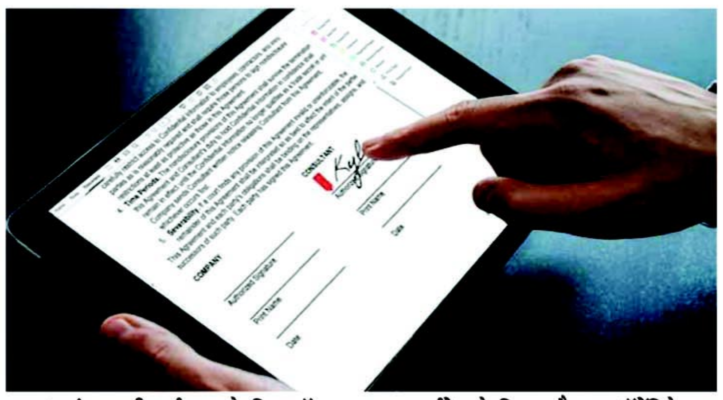

4. कंप्यूटर की हार्डड्राइव के लिए लॉकर- अगर कभी कोई आपके कंप्यूटर का ऐक्सेस लेता है तो वह आराम से उसमें मौजूद फाइल्स को भी ऐक्सेस कर सकता है। अगर फाइल्स एनक्रिप्ट की गई होंगी तो ऐसा नहीं किया जा सकता। आप कई सारे लॉकर की मदद ले सकते हैं जैसे फाइलवॉल्ट या बिटलॉकर लकिली। इनका इस्तेमाल करके अपने पीसी की हार्ड ड्राइव को लॉक कर सुरक्षित बना सकते हैं।

5. ईमेल के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन- अगर कभी भी आपको ऐसा महसूस होता है कि आपके ईमेल अकाउंट को किसी नए डिवाइस से ऐक्सेस किया जा रहा है तो आप सेकंडरी सिक्यॉरिटी लेयर सेट कर सकते हैं। इससे इनबॉक्स को ऐक्सेस करने के लिए आपको अपने फोन पर एक टेक्स्ट मेसेज मिलेगा, जिसमें कोड होगा। उस कोड को डालने पर ही आप इनबॉक्स ऐक्सेस कर पाएंगे। ये सेटिंग सोशल मीडिया अकाउंट्स के लिए भी की जा सकती हैं जो आपके ई-मेल अकाउंट्स के इनबॉक्स को सेफ रख सकते हैं।

6. प्राइवेट वेब ऐक्टिविटी- अगर आप क्रोम या अन्य किसी ब्राउज़र पर इनकॉग्निटो या प्राइवेट मोड ऑन करके कुछ सर्फ करते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि किसी को कुछ पता नहीं चल रहा। आपकी कंपनी, वेबसाइट्स और इंटरनेट प्रोवाइडर्स भी आपकी ब्राउजिंग पर नजर रख सकते हैं। ऐसे में आप टौर नाम का ब्राउज़र इस्तेमाल कर सकते हैं जिस पर प्राइवेट वेब ऐक्टिविटी की जा सकती है।

7. https everywhere ब्राउज़र प्लगइन यूज़ करें- यह प्लगइन सुनिश्चित करता है कि आप सुरक्षित ढंग से वेबसाइट्स ब्राउज़ करें। यह वेबसाइट से आपके कनेक्शन को एनक्रिप्ट कर देता है। इसका मतलब यह हुआ कि कोई आपकी ब्राउज़िंग डेटा/हिस्ट्री को हैक या सर्विलांस पर नहीं डाल सकता।

तो अब जब कभी भी आप डिजिटल हों तो इन सब तरीकों को अपनाने से आप अपनी डिजीटल लाइफ को और सेक्योर बना सकते हैं।

रेसिपी

मूंग दाल चाट

- 230 ग्राम अंकुरित मूंग दाल
- 50 ग्राम प्याज
- 80 ग्राम टमाटर
- 80 ग्राम उबले हुए आलू
- 40 ग्राम अनार
- 1 1/2 टी स्पून चाट मसाला
- 1 टेबल स्पून नींबू का रस
- 1 टी स्पून नमक
- 2 टेबल स्पून हरी चटनी
- 1 टेबल स्पून इमली की चटनी
- 1 टेबल स्पून पुदीना
- 1 टेबल स्पून धनिया
- हरी चटनी सजाने के लिए
- अनार सजाने के लिए

विधि

1. एक बाउल में सारी सामग्री को लेकर अच्छे से मिक्स करें।
2. फिर इसे हरी चटनी और अनार के दानों से गार्निश करें।
3. तुरंत परोसे।

पनीर पाव भाजी

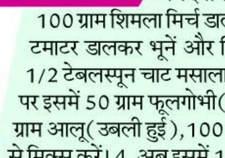

- 1 टेबलस्पून तेल
- 100 ग्राम प्याज
- 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट
- 100 ग्राम शिमला मिर्च
- 160 ग्राम टमाटर
- 1 टेबलस्पून पाव भाजी मसाला
- 1/2 टेबलस्पून चाट मसाला
- 50 ग्राम फूलगोभी(उबली हुई)
- 50 ग्राम गाजर(उबली हुई)
- 500 ग्राम आलू(उबली हुई)
- 100 ग्राम पनीर
- 1 टीस्पून नमक
- 1/4 टीस्पून हल्दी
- 30 ग्राम बटर
- 2 टीस्पून नींबू का रस
- 2 टीस्पून हरी मिर्च
- 250 मि.ली पानी

विधि

1. एक पैन में 1 टेबलस्पून तेल डाल कर गर्म कर लें। अब इसमें 100 ग्राम प्याज, 1 टीस्पून लहसुन का पेस्ट और 100 ग्राम शिमला मिर्च डालकर 2-3 मिनट के लिए भूनें। 2. इसमें 160 ग्राम टमाटर डालकर भूनें और फिर इसमें 1 टेबलस्पून पाव भाजी मसाला और 1/2 टेबलस्पून चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं और पकाएं। 3. पकने पर इसमें 50 ग्राम फूलगोभी(उबली हुई), 50 ग्राम गाजर(उबली हुई), 500 ग्राम आलू(उबली हुई), 100 ग्राम पनीर और 1 टीस्पून नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। 4. अब इसमें 1/4 टीस्पून हल्दी, 30 ग्राम बटर, 2 टीस्पून नींबू का रस, 2 टीस्पून हरी मिर्च और 250 मि.ली पानी डालकर 10 मिनट के लिए पकाएं। 5. पनीर पाव भाजी तैयार है। इसे पाव के साथ सर्व करें।

घर के Shoe Rack को दें डिफरैंट लुक

जूते-चप्पल तो हर कोई पहनता है लेकिन जब इन्हें संभालने की बारी आती है तब इन्हें उतार कर लोग यहां-वहा फैंक देते हैं। फिर जब इनकी दोबारा जरूरत पड़ती हैं तो लोग अपने जूते-चप्पल को यहां-वहां ढूंढते लगते हैं। ऐसे में सबसे बेहतर ये है कि आप पहले से ही अपने जूते-चप्पलों को संभाल कर रखें। ताकि जरूरत पड़ने पर आपको जूते-चप्पलों को यहां-वहां ढूंढना ना पड़े।

इन जूते-चप्पलों को संभालने के लिए आप Shoe Racks का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे Shoe Rack दिखाएंगे जिन्हें देखकर आप जरूर सोचोगे कि क्यों न घर के पुराने Shoe Rack को हटाकर कुछ Latest Design का Shoe Rack रखा जाए। अगर आप अपने घर में Shoe Rack रखना चाहते हैं तो इससे आप को दो फायदे मिलेंगे, एक तो आपके जूते-चप्पल संभल जाएगें और दूसरा न्यू स्टाइल का Shoe Rack रख कर आपके घर को डिफरैंट लुक मिलेगा।

फोन पानी में गिरने पर अपनाएं ये तरीके

कई बार मोबाइल फोन गलती से पानी में गिर जाता है। ऐसे में लोग मोबाइल के पानी को सुखाने के लिए ड्रायर का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी ऐसा करते है तो यह गलत है क्योंकि इससे फोन और भी ज्यादा खराब हो सकता है। मोबाइल के पानी को सुखाने के लिए किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का इस्तेमाल भूलकर भी न करें। चावल से भी मोबाइल के पानी को सुखाया जा सकता है। कुछ टिप्स को फॉलो कर आप फोन को पहले की तरह बना सकते है।

1. सबसे पहले मोबाइल को बंद कर दें। इसके बाद फोन की बैटरी, मेमरी कार्ड और सिम निकाल दें।

2. अब टीशू पेपर या फिर कॉटन के कपड़े के साथ फोन को पोछें। बाद में कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें।

3. एक कंटेनर में चावल भर दें और उसमें फोन को डाल दें। चावल फोन की नमी को सोख लेगा। आप चाहें तो इसे धूप में भी रख सकते है।

4. फोन को सुखाने के लिए सिलिका जेल पैक का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। इसमें चावल से ज्यादा नमी सोखने की ताकत होती है।

5. कुछ लोग फोन गीला होने पर उसे जोर से झटकते हैं। ऐसा बिल्कुल न करें। इससे फोन और भी खराब हो सकता है।

6. अगर फिर भी फोन ऑन नहीं हो रहा तो ऑथरॉइज्ड स्टोर से रिपेयरिंग करवाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**